रांची, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ कृष्णपक्ष 12 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 126, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ ग्रामीण स्कूलों में शिक्षिकाओं की कमी

शिल्पा शिंदे और शुभांगी अत्रे की तुलना पर बोलीं रश्मि देसाई ◀◀ 6


### ईडी अधिकारियों को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत

# पुलिस जांच पर लगाई रोक, सुरक्षा देने का दिया निर्देश, राज्य सरकार से मांगा जवाब

**मेट्रो रेज संवाददाता**

**रांचीः** प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज करने के मामले में शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने ईडी अधिकारियों को बड़ी राहत देते हुए पीड़िक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को ईडी के अधिकारियों को पूरी सुरक्षा देने का निर्देश दिया। जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत इस मामले पर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने ईडी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि फिलहाल ईडी के अधिकारियों के विरुद्ध किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की जाएगी। अदालत के इस आदेश से एऊ के उन अधिकारियों को बड़ी राहत मिली है, जिनके खिलाफ मनी लांड्रिंग केस के आरोपी संतोष कुमार ने नामजद प्राथमिकी दर्ज करवाई है। इस आदेश के बाद

अब ईडी के अधिकारियों की सुरक्षा में बीएसएफ को लगाया जाएगा।

ईडी ने हाईकोर्ट में दाखिल की थी रिट याचिकाः बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने रांची पुलिस द्वारा गुरुवार को ईडी कार्यालय में की गई छापेमारी के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की थी। इस याचिका में ईडी ने संतोष कुमार द्वारा दर्ज करायी गयी प्राथमिकी को निरस्त करने और पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी।

ईडी ने इस याचिका पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया था, जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई के लिए 16 जनवरी की तिथि निर्धारित की थी। निर्धारित तिथि पर यानी शुक्रवार को ईडी की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान ईडी की ओर यह जानकारी दी गयी कि पेयजल घोटाले की जांच के दौरान बड़े अधिकारियों के संलिप्त होने से संबंधित सबूत मिले हैं। संतोष कुमार द्वारा दर्ज करायी गयी प्राथमिकी घोटाले की जांच को प्रभावित करने से संबंधित है।

न्यायालय ने सुनवाई के बाद पुलिस की कार्रवाई की आलोचना की। साथ ही संतोष कुमार द्वारा दर्ज करायी गयी प्राथमिकी पर रोक लगा दी। न्यायालय ने राज्य सरकार को यह निर्देश दिया कि वह ईडी के अधिकारियों और कार्यालय को पूरी सुरक्षा दे।

### संतोष ने ईडी अफसरों पर लगाए कई गंभीर आरोप

उल्लेखनीय है पीएचईडी के कर्मचारी संतोष कुमार ने 12 जनवरी को पूछताछ के बाद 13 जनवरी को रांची के एयरपोर्ट थाने में ईडी के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी थी। एफआईआर में संतोष ने रांची स्थित ईडी दफ्तर में पूछताछ के दौरान मारपीट कर सिर फोड़ने और जान मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था। संतोष ने अधिकारियों पर दुर्व्यवहार और प्रताड़ना के गंभीर आरोप भी लगाए गए। संतोष की प्राथमिकी की जांच के लिए गुरुवार सुबह रांची पुलिस की एक टीम हिनू स्थित ईडी कार्यालय पहुंची और उसे पूरी तरह घेर लिया। इसके बाद पुलिस ने संतोष के शिकायत की प्रारंभिक जांच की और घटना स्थल का मुआयना किया। साथ ही घटना के समय मौजूद अधिकारियों से पूछताछ भी की।

### सीएम ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से लगा बड़ा झटका

# ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर लगाई रोक

- बंगाल सरकार को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में मांगा जवाब, अदालत ने कहा, केंद्रीय एजेंसी के काम में रुकावट न डालें

**एजेंसी**

**नई दिल्लीः** आईपैक रेड मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट में बड़ा झटका लगा है। ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ईडी अफसरों पर दर्ज एफआईआर पर रोक लगाने के साथ ही बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया और दो हफ्तों में जवाब मांगा। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी के आरोप गंभीर है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की बैंच ने कहा कि सरकार ईडी के काम में दखल न डाले। एजेंसी को अपना काम करने दे। कोर्ट ने तीन फरवरी को अगली सुनवाई तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी रोक लगा दी

है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में कुछ बड़े सवाल हैं, जिनका जवाब नहीं मिला, तो अराजकता फैल सकती है।

अगर केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए ईमानदारी से अपना काम कर रही हैं, तो क्या उन्हें राजनीति करके रोका जा सकता है। बता दें कि ईडी ने आठ जनवरी को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के आईटी हेड और पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म (आईपैक) डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और कंपनी से जुड़े ठिकानों पर छापा मारा था। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस दौरान सीएम ममता वहां बंगाल पुलिस के अफसरों के साथ पहुंचीं और अपने साथ सबूत लेकर चली गईं।

# चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, समेत पांच राज्यों में एसआईआर की समय सीमा बढ़ाई

**एजेंसी**

**नई दिल्लीः** चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, गोवा, लक्षद्वीप, राजस्थान और पुड्डुचेरी के लिए मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समय सीमा 19 जनवरी तक बढ़ा दी है। आयोग ने जारी एक बयान में कहा कि उसने समयसीमा बढ़ाने का निर्णय लेने से पहले मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के अनुरोधों और अन्य जरूरी कारकों पर विचार किया था। यह विस्तार एक जनवरी को पात्रता तिथि मानते हुए दिया गया है, जिसके तहत अब 19 जनवरी तक दावे और आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। अवर सचिव संदीप कुमार द्वारा हस्ताक्षरित इस आदेश में एसआईआर के लिए मूल समय सारणी निर्धारित करने वाले पिछले साल के 27 अक्टूबर के आदेश का संदर्भ दिया गया है। आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है

कि वे इस विस्तार का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें ताकि पात्र मतदाताओं को पर्याप्त रूप से सूचित किया जा सके। आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को संशोधित समय सारणी का कड़ाई से पालन करने का निर्देश भी दिया है। आयोग ने कहा है कि विस्तार के संबंध में अधिसूचना संबंधित राज्य के गजट (राजपत्र) में तुरंत प्रकाशित की जाए, और आधिकारिक रिकॉर्ड के लिए अधिसूचना की तीन प्रतियां आयोग को भी भेजी जाएं। गौरतलब है कि एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो मतदाता सूचियों को अद्यतन करने और भविष्य के चुनावों से पहले सटीकता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर की जाती है।

### गजराज का आंतक कई घरों की दीवारें तोड़ीं, फसलों को पहुंचाया नुकसान, दहशत में लोग

**रामगढ़ः** जिले में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज तड़के करीब तीन बजे एक हाथी घनी आबादी वाले इलाके में घुस आया और जमकर उत्पात मचाया। हाथी ने कई घरों के दरवाजे, दीवारें और चारदीवारी तोड़ दी, वहीं खेतों में खड़ी फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया। अचानक हुई इस घटना से पूरे मुहल्ले में अफरातफरी मच गयी । लोग घरों के अंदर छुपने को मजबूर हो गये। स्थानीय लोगों के अनुसार काकेबार के विभिन्न मुहल्लों में पिछले करीब एक माह से हाथियों का आतंक बना हुआ है। शुक्रवार की तड़के सुबह हाथियों के शोर सुनकर लोग जागे तो वह कई घरों के दीवारों को तोड़ चुका था। जानकारी के मुताबिक गजराज ने लोगों के घरों के अलावा आलू खेत को भी भारी नुकसान पहुंचाया।

### अज्ञात वाहन ने युवक को मारी टक्कर, मौत

**गिरिडीह** : जिले के नगर थाना क्षेत्र के जरासंध चौक के समीप गुरुवार की शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक मुकेश बर्मन मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिरसिया का रहने वाला था। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और आसपास के लोग सदर अस्पताल पहुंचे जहां मुकेश का शव देखकर परिजनों के चित्कार से माहौल गमगीन हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गुरुवार की शाम को मुकेश बर्मन अपने घर सिरसिया से टोटो पर सवार होकर किसी काम से गिरिडीह आया हुआ था। जैसे ही वह जरासंध चौक के समीप संचालित मधुबन वेजिस के पास पहुंचा और टोटो से उतरकर पैदल रोड़ क्रॉस कर रहा था, तभी अचानक एक अज्ञात वाहन ने उसे अपने चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद जब तक लोग मौके पर पहुंचे बाइक चालक फरार हो गया। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन चालक की तलाश में जुट गई है।

# तातलोई मेला देखकर लौट रही किशोरी सहित तीन पर चाकू से हमला, एक की मौत, दो घायल

**मेट्रो रेज संवाददाता**

रामगढ़ः रामगढ़ थाना क्षेत्र के पथरिया के पास बीती रात करीब 10 बजे एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। तातलोई मेला देखकर बाइक से लौट रही एक किशोरी और उसके दो साथी पर तीन बाइक सवार लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में 16 साल के लखींद्र सोरेन की मौत हो गई, जबकि डेविड हांसदा और किशोरी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों जख्मियों का इलाज दुमका के फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम जामा थाना के तातलोई मेला से लखींद्र सोरेन, डेविड हांसदा और एक किशोरी बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान रामगढ़ थाना क्षेत्र के पथरिया के पास तीन बाइक सवार युवकों ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों ने

पहले किशोरी को बाइक से उतारने की कोशिश की, जिसका विरोध लखींद्र और डेविड ने किया। इसके बाद तीनों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में किशोरी और दोनों लड़के घायल हो गए। जख्मियों को देर रात फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने लखींद्र को मृत घोषित कर दिया, जबकि डेविड और किशोरी का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि जख्मी किशोर और किशोरी दोस्त हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ विजय कुमार महतो भी अस्पताल पहुंचे और जख्मियों से जानकारी ली। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और किसी भी प्रकार की जानकारी देने से परहेज कर रही है।

# गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

## कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता

**चतरा :** 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह की रूप-रेखा तैयार करते हुए कार्यक्रम आयोजन के प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में परेड, झंडोत्तोलन, खेलकूद के आयोजन

को लेकर सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।उन्होंने मुख्य कार्यक्रम स्थल के साथ-साथ सभी सरकारी कार्यालयों में निर्धारित समय पर झंडोत्तोलन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। परेड की तैयारी, झांकियों की थीम, राष्ट्रगान, परेड निरीक्षण हेतु जीप की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। बैठक में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम की साफ-सफाई, लाउडस्पीकर, पेयजल, एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए गए। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारी, कर्मियों एवं अन्य को प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित करने को लेकर भी निर्देश दिया गया।बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद, नगर परिषद से सिटी मिशन मैनेजर, नजारत उप समाहर्ता विनय कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित।

# वार्ड 44 से बब्बर ने पार्षद पद की उम्मीदवारी का किया ऐलान

संवाददाता

**रांची :** रांची नगर निगम चुनाव को लेकर शहर में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न वार्डों से पार्षद पद के लिए उम्मीदवारों के नाम सामने आने लगे हैं। इसी कड़ी में डोरंडा के वार्ड संख्या 44 से इफ्तेखार अहसन उर्फ बब्बर ने पार्षद पद के लिए अपनी उम्मीदवारी का औपचारिक ऐलान कर दिया है।

बब्बर एक पढ़े-लिखे, जागरूक एवं सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। वे लंबे समय से क्षेत्र की समस्याओं को लेकर जनता के बीच सक्रिय रहे हैं और सामाजिक कार्यों में उनकी भागीदारी सराहनीय रही है। शिक्षा, साफ-सफाई, सड़क, पानी और नागरिक सुविधाओं को लेकर उनका स्पष्ट विजन है। डोरंडा वार्ड 44 के स्थानीय निवासियों में बब्बर को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि बब्बर जमीनी स्तर पर जनता से जुड़े हुए हैं और उनकी समस्याओं को बेहतर तरीके से समझते हैं। इसी कारण उन्हें वार्डवासियों का व्यापक समर्थन मिल रहा है।

उम्मीदवारी की घोषणा के दौरान बब्बर ने कहा कि यदि जनता का आशीर्वाद मिला तो वे वार्ड के समग्र विकास, पारदर्शिता और जनहित को प्राथमिकता देंगे। नगर निगम चुनाव के मद्देनजर वार्ड 44 की राजनीतिक तस्वीर अब धीरे-धीरे साफ होती नजर आ रही है।

## न्यूज IN ब्रीफ

### अंग्राबाड़ी के पास कार-बाइक की सीधी टक्कर, दो गंभीर

**खूंटी :** जिले के मुरहू थाना अंतर्गत अंग्राबाड़ी गांव के पास 15 जनवरी गुरुवार को हुए एक भीषण सड़क दुर्घटना में मारुति स्विफ्ट कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जापूत गांव निवासी राहुल भेंगरा और सोमारी लूती अपनी होंडा ड्रीमयुगा बाइक (जेएच 01 सीएन 3288) से जापूत से बीचन बाजार सब्जी खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान खूंटी- सिमडेगा मुख्य मार्ग पर अंग्राबाड़ी के पास खूंटी से डोरमा की ओर जा रही मारुति स्विफ्ट कार से उनकी बाइक की जोरदार सीधी टक्कर हो गई।

हादसे में दोनों बाइक सवारों के माथे सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी हालत नाजुक हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को इलाज के लिए खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची के रिम्स भेज दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। दुर्घटनाग्रस्त बाइक और कार को क्रेन की सहायता से सड़क से हटाया गया, जिससे यातायात बहाल हो सका। पुलिस दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच में जुटी हुई है।

### 17 सदस्यीय ताइक्वांडो खिलाड़ियों की टीम उत्तराखंड रवाना

**चतरा :** आगामी 16 से 18 जनवरी 2026 को उत्तराखंड के देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मल्टी परपस हॉल में आयोजित 8वीं अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन होना है। इस आयोजन में लगभग 12 देशों के खिलाड़ी भाग ले रहें है जिनमें चतरा जिला के खिलाड़ी झारखण्ड राज्य से भारत देश का प्रतिनिधित्व करेगी। सदर थाना प्रभारी बिपिन कुमार एवं चतरा जिला ताइक्वांडो संघ के संरक्षक कुमार विवेक सिंह, अध्यक्ष मो जमालुद्दीन, मार्क्समैन के समन्वयक फजल रहमान ने संयुक्त रूप से टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ताइक्वांडो संघ के सचिव विकास केसरी ने बताया कि जिले में एकमात्र ताइक्वांडो संघ जो झारखंड सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था है। इनके नेतृत्व में खिलाड़ियों को विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए इनका मार्गदर्शन किया जा रहा है ताकि आज के युवा वर्ग के खिलाड़ी मुख्य धारा से जुड़े रहे एवं अन्य गलत संगति में न जाएं और अपना ऊर्जा देश के हित में खर्च करें। बताते चले कि चतरा जिला से जिन खिलाड़ियों का नाम इस प्रतियोगिता में भेजा गया उनका चयन पूर्व के आयोजित प्रतियोगिता के आधार पर किया गया एवं इनके कौशल एवं प्रतिभा का ही परिणाम है कि ये खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले पा रहे हैं।इन खिलाड़ियों में प्रियंका बंकिरा, मानसी सिंह, नंदनी, सपना कुमारी, वर्षा रानी, सूरज कुमार, हर्ष कुमार, निक्कू कुमार, करण राज,प्रदीप रावल, अंकित कुमार सिंह, मिठू केशरी के साथ कोच में बिट्टू कुमार मैनेजर रश्मि कुमारी, रेफरी सुनीता कुमारी, अविनाश कुमार मार्शल के साथ टीम हेड विकास कुमार केशरी मुख्य रूप से शामिल हैं। टीम की रवानगी में मुख्य रूप से संयुक्त सचिव संजीत मिश्रा, सचिंद्र पासवान, कोषाध्यक्ष सूरज कुमार, देवानंद कुमार, पियूष कुमार, मीडिया प्रभारी हेलाल अख़्तर,शिक्षक अभिजीत सिंहा के अलावा अभिभावक गण मौजूद थे।

### 10 एकड़ में लगाए गए अफीम की खेती को किया गया नष्ट

**चतरा :** जिले में अफीम उन्मूलन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। यह अभियान पुलिस और वन विभाग की ओर से चलाया जा रहा है। जागरुकता अभियान के साथ साथ पुलिस की टीम लावालौंग थाना क्षेत्र में अभियान चला कर 10 एकड़ वन भूमि पर लगाए गए अफीम की खेती को नष्ट किया। पुलिस के अधिकारी और कर्मियों ने वन विभाग के कर्मियों के साथ मिलकर अफीम की खेती को नष्ट किया। पुलिस के पदाधिकारियों और कर्मियों ने लावालौंग थाना क्षेत्र के मड़वा गांव से सटे जंगली इलाकों में लगाए गए अफीम की खेती को नष्ट किया। जिस स्थान पर अफीम की खेती की गई थी वहां ट्रेक्टर से जोतवा दिया गया। लावालौंग के मड़वा क्षेत्र में 10 एकड एरिया में अफीम की खेती लगाए गए थे, जिसे नष्ट कर दिया गया। यहां बताते चले कि इस बार भी चतरा जिले में बड़े पैमाने पर अफीम की खेती गई है। जिले के उग्रवाद प्रभावित कुंदा, लावालौंग, प्रतापपुर, राजपुर थाना क्षेत्र के जंगली इलाकों में बड़े पैमाने पर अफीम लगाए गए हैं। पुलिस की टीम लगातार अभियान चलाकर लगाए गए अफीम की खेती को नष्ट कर रही है।

### देवरिया में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन, कमिटी गठित

**चतरा :** जिला मुख्यालय स्थित देवरिया बाइपास रोड में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। 26 जनवरी को कलश यात्रा के साथ महायज्ञ का शुभारंभ होगा जो 1 फरवरी तक चलेगा। महायज्ञ में परमाचार्य वैदिक संस्कृति के संस्थापक, वैष्णवाचार्य परंपरा के आचार्य विश्वकसेनाचार्य श्री त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के शिष्य पूज्य श्रीलक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज एवं उनके शिष्य वैकुंठ स्वामी जी महाराज शामिल होगें। श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सफल संचालन को लेकर धर्मावलंबियों की बैठक हुई। बैठक में चतरा विधायक जनार्दन पासवान एवं पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता भी उपस्थित थे। महायज्ञ को सफल बनाने के लिए कमिटी का गठन किया गया।

## मकर संक्रांति महोत्सव का हुआ आयोजन

संवाददाता

**चतरा :** झारखंड राज्य स्वच्छ गंगा मिशन व एवं नमामि गंगे परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में मकर संक्राति महोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा व जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रखंडों के स्कूली बच्चे शामिल हुए। बच्चों के बीच पतंग महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। अतिथियों ने कार्यक्रम में शामिल सभी बच्चों को पतंग, धागे व घीरनी उपलब्ध कराए। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में ही सभी बच्चों ने पतंग उड़ाए। पतंग उड़ाने में अपनी बेहतर कला कौशल का प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पेन, डायरी, बैग,कलम व अन्य लेखन सामग्री देकर सम्मानित किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि चतरा में पहली बार इस तरह का पतंग महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में बच्चे शामिल हुए। पंतग महोत्सन को लेकर बच्चों में काफी उत्साह दिखा। बेहतर पंतग बाजी के लिए बच्चों को पेन, मेडल और बैग देकर देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक सीमा श्रीवास्तव, श्याम किशोर, दीपक कुमार, सुबीर, अबोध राम, जितेंद्र यादव आदि ने अहम भूमिका निभाई।

गौ तस्करी का बड़ा मामला

# 100 से अधिक बैलों के जोड़े को कराया गया मुक्त

संवाददाता

**खूंटी :** जिले से गौ तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार तस्करों द्वारा 100 से अधिक बैलों के जोड़े को तस्करी के उद्देश्य से बिरहु पंचायत अंतर्गत मानूह ग्राम स्थित एक बाउंड्री वॉल के भीतर रखा गया था। इस संबंध में सूचना मिलते ही खूंटी की समाजसेवी लक्ष्मी बाखला ने तत्परता दिखाते हुए डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर सभी मवेशियों को अपने कब्जे में ले लिया। सूत्रों के अनुसार पूछताछ के लिए चार लोगों को हिरासत में लिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि खूंटी जिले में प्रत्येक बुधवार को जलटंडा बाजार लगता है, जहां बड़े पैमाने पर मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है। ग्रामीण अपनी आवश्यकता के अनुसार बैलों का जोड़ा खरीदते हैं, लेकिन इसी बाजार का फायदा उठाकर कुछ गौ तस्कर भी सक्रिय रहते हैं और मवेशियों की खरीदारी कर उन्हें राज्य के विभिन्न हिस्सों के अलावा अन्य राज्यों में

तस्करी के लिए ले जाते हैं। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि कुछ मामलों में मवेशियों की तस्करी बांग्लादेश तक किए जाने की आशंका रहती है।

ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी मानूह गांव में तस्करों द्वारा मवेशियों को लाकर रखा जाता था, जिससे गांव के अन्य पशुओं में बीमारियां फैलने लगी थीं। ग्रामीणों के विरोध के बाद यह गतिविधि बंद हो गई थी, लेकिन काफी समय बाद एक बार फिर तस्करों द्वारा बैलों को खरीदकर इसी बाउंड्री वॉल के अंदर रखा गया। इसकी जानकारी ग्रामीणों ने समाजसेवी लक्ष्मी बाखला को दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और अब इस पर कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

चतरा में भीषण सड़क हादसा

# पिकअप की टक्कर से युवक की मौके पर मौत

संवाददाता

**चतरा :** चतरा-इटखोरी मुख्य मार्ग पर गुरुवार की रात एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। इस हादसे में इटखोरी प्रखंड के प्रेमनगर निवासी रामचरण भुइयाँ के पुत्र दिलीप भुइयाँ की दर्दनाक मौत हो गई। घटना गुरुवार रात्रि करीब 8 बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार, दिलीप अपने दोस्त विनोद के साथ चतरा के इको पार्क घूमने गया था। खुशी-खुशी घर लौटने के दौरान भेड़िफार्म के 'बेल गाछ' के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दिलीप ने घटनास्थल पर ही

दम तोड़ दिया। इस हादसे में उसके साथी विनोद का पैर टूट गया है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर किया गया है। इस घटना का सबसे कारुणिक पहलू यह है कि मृतक के पिता रामचरण भुइयाँ ने महज एक महीने के भीतर अपने दोनों जवान बेटों को खो दिया है। एक महीने पहले ही उनके बड़े पुत्र प्रेम भुइयाँ की मौत हुई थी। अब दूसरे बेटे दिलीप की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। रामचरण भुइयाँ के दो पुत्र और तीन पुत्रियां थीं, अब दोनों ही बेटों के असमय चले जाने से घर का चिराग बुझ गया है। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और पिकअप वैन को अपने कब्जे में ले लिया है और मामले की जाँच शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद से ही प्रेमनगर गाँव में सन्नाटा पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## जमीन विवाद में जमकर चली तलवार छह गंभीर व दो घायल

**चतरा :** गिद्धौर थाना क्षेत्र के गांगपुर गांव में बुधवार की देर शाम भूमि विवाद को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट हुई।इस घटना में एक पक्ष के द्वारा तलवार से वार कर करीब छह लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। सभी छह लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिद्धौर में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया।जबकि दूसरे पक्ष से दो लोग भी मामूली रूप से घायल हुए हैं। इस घटना को लेकर दोनों पक्षों से मारपीट को ले प्राथमिक की दर्ज किया गया है। जबकि पुलिस ने दोनों पक्ष से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्याइक हिरासत भेज दिया। बताया गया कि गांगपुर गांव के मुकेश यादव द्वारा विवादित भूमि की घर का छज्जा निकल रहा था। इसी क्रम में गांव के प्रवेश यादव व रजनी देवी मना करने को लेकर गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष में पहले तू तू मैं मै हुई। जबकि बात बढ़ाने के पश्चात मुकेश यादव ने तलवार से हमला कर छह लोगों को घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल में रजनी देवी,उमा देवी,रंजू देवी,प्रवेश यादव व प्रमोद यादव,राजेश यादव शामिल।जबकि दूसरे पक्ष से मुकेश यादव व प्यास देवी भी घायल हुई है।

भाजपा कार्यालय में वीबी जी रामजी को लेकर प्रेस वार्ता

# वीबी जी रामजी को मनरेगा की खामियां दूर करने वाला अधिनियम बताया गया

संवाददाता

**खूंटी :** खूंटी जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को वीबीजीरामजी अधिनियम को लेकर एक अहम प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता खूंटी जिला भाजपा अध्यक्ष आनंद कुमार राम ने की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने कहा कि पूर्व में लागू मनरेगा योजना को एक अधिनियम के रूप में देश में लागू किया गया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार ने बीते 12 वर्षों तक पूरी प्रतिबद्धता के साथ संचालित किया। इस दौरान योजना में कई गुणात्मक सुधार किए गए और बजट में लगभग चार गुना वृद्धि कर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य हुआ।

उन्होंने कहा कि मनरेगा में जॉब कार्ड का मैनुअल निर्माण, पारदर्शिता की कमी और भ्रष्टाचार जैसी कई गंभीर खामियां सामने आई थीं, जिसके कारण वास्तविक लाभार्थियों को समय पर काम और उचित मजदूरी नहीं मिल पाती थी। इन्हीं विसंगतियों को दूर करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने अब वीबीजीरामजी अधिनियम लागू किया है।

मनोज सिंह ने बताया कि नए अधिनियम के तहत किसानों और मजदूरों को 125 दिनों की गारंटीड एवं फिक्स्ड रोजगार सुनिश्चित की गयी है। साथ ही जियो-टैगिंग और आधुनिक डिजिटल तकनीकों के माध्यम से कार्यों की निगरानी की व्यवस्था की गई है, ताकि सही लाभार्थियों तक योजना का लाभ सीधे, पारदर्शी और बिना किसी बिचौलिये के पहुंचे। समय पर मजदूरी भुगतान नहीं होने की स्थिति में मुआवजा देने का भी प्रावधान किया गया है। इसके अलावा रोजगार उपलब्ध नहीं होने पर जॉब कार्डधारी मजदूरों को बेरोजगारी भत्ता देने की व्यवस्था भी की गई है।

उन्होंने कहा कि यह अधिनियम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपनों के भारत और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचारों को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में वीबीजीरामजी अधिनियम मील का पत्थर साबित होगा।

मनरेगा के नाम परिवर्तन को लेकर उठ रहे सवालों पर मनोज सिंह ने कहा कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में स्वयं इस योजना का नाम चार बार बदला जा चुका है। वर्ष 2005 में यूपीए सरकार ने ही इसका नाम मनरेगा रखा था, जिसे एनडीए सरकार ने 12 वर्षों तक सफलतापूर्वक चलाया। योजना में व्याप्त खामियों को दूर करते हुए अब इसमें व्यापक सुधार किए गए हैं और इसका नाम वीबीजीरामजी रखा गया है, जिससे आम जनता को पहले की तुलना में चार गुना तक अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए इस तरह के निराधार सवाल उठाए जा रहे हैं।

प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह और तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने झारखंड सरकार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। हत्या, लूट, डकैती और अपहरण जैसी घटनाएं आम हो गई हैं, लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार इस पर मौन है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है–चाहे वह बालू लूट, शराब घोटाला या ट्रांसफर-पोस्टिंग में लेन-देन का मामला हो। गृह विभाग मुख्यमंत्री के पास होने के बावजूद अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, जो सरकार की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने हेमंत सरकार को आदिवासी विरोधी करार दिया।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष आनंद कुमार राम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता इस योजना की जानकारी गांव-गांव, खेत-खलिहान तक पहुंचाएंगे, ताकि अधिक से अधिक किसान, मजदूर और ग्रामीण इसका लाभ उठा सकें।

प्रेस वार्ता में भाजपा के खूंटी जिला प्रभारी सत्यनारायण, तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा, जिला महामंत्री निखिल कंडुलना सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# सर्दी का सितम : न्यूनतम तापमान में गिरावट, शीतलहर जारी, जनजीवन प्रभावित

**संवाददाता**

**रांचीः** तापमान में उतार चढ़ाव के बीच राज्य में सर्दी का सितम जारी है। शीतलहर ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। ठंड का हाल ऐसा है कि सात जिलों का न्यूनतम तापमान 5.0 डिग्री के नीचे चला गया है। ज्यादातर जिलों में लोग दिन के वक्त भी सिहरन महसूस कर रहे हैं। राहत की बात है कि रविवार से अधिकतम तापमान में थोड़ा इजाफा होने की संभावना है, लेकिन रात के वक्त न्यूनतम पारा के 2 से 12 डिग्री के बीच रहने की संभावना जतायी गई है।

खूंटी, गुमला, सिमडेगा, हजारीबाग में हाड़ कंपाने वाली ठंडः मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलने से पिछले 24 घंटों में सबसे कम तापमान खूंटी में रिकॉर्ड हुआ है। यहां बफीर्ली हवा के चलने से न्यूनतम पारा 2.6 डिग्री पर चला गया है। गुमला में भी शीतलहर की वजह से पारा नीचले स्तर पर बरकरार है।

यहां न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री दर्ज हुआ है। हालांकि 15 जनवरी के 0.8 डिग्री की तुलना में तापमान में थोड़ा सुधार हुआ है।

इसके अलावा सिमडेगा में 4.2 डिग्री, हजारीबाग में 4.6 डिग्री, डाल्टनगंज में 4.7 डिग्री, बोकारो में 4.7 डिग्री, लोहरदगा में 5.0 डिग्री, सरायकेला में 6.1 डिग्री, चाईबासा में 6.6 डिग्री, देवघर में 7.1 डिग्री, रांची में 8.2 डिग्री, लातेहार में 8.3 डिग्री, कोडरमा में 8.4 डिग्री, जमशेदपुर में 8.8 डिग्री और पाकुड़ में 9.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है।

मौसम केंद्र, रांची की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा तापमान चाईबासा में रिकॉर्ड हुआ है। यहां का अधिकतम पारा 26.8 डिग्री रहा है। दूसरे स्थान पर 26.1 डिग्री के साथ सरायकेला जिला है। डाल्टनगंज में 25.4 डिग्री जबकि पाकुड़ का तापमान 25.4 डिग्री है। शेष सभी जिलों में अधिकतम पारा 25.0 डिग्री से नीचे चला गया है।

एकमात्र लातेहार जिला ऐसा है जहां का अधिकतम पारा 20.0 डिग्री से नीचे यानी 17.9 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। पिछले कई दिनों से लातेहार के अधिकतम तापमान में गिरावट बनी हुई है। अन्य प्रमुख जिलों की बात करें तो रांची में 22.0 डिग्री, जमशेदपुर में 24.4 डिग्री, देवघर में 23.9 डिग्री, कोडरमा में 22.1 डिग्री, गुमला में 22.0 डिग्री, हजारीबाग में 21.1 डिग्री, खूंटी में 23.4 डिग्री, लोहरदगा में 20.7 डिग्री और सिमडेगा में 23.9 डिग्री दर्ज हुआ है।

मौसम केंद्र के मुताबिक, 23 जनवरी से 29 जनवरी वाले सप्ताह में अधिकतम तापमान के सामान्य से ऊपर रिकॉर्ड होने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम पारा 22-31 डिग्री तक जा सकता है। साथ ही इस दौरान न्यूनतम तापमान में के भी सामान्य से ऊपर यानी 4.0 डिग्री से 14 डिग्री के बीच जाने की संभावना है।

## हजारीबाग में हुई सड़क दुर्घटना में जैप 7 के सब इंस्पेक्टर की मौत

**संवाददाता**

**हजारीबागः** जिले में सड़क दुर्घटना में खअढ 7 के सब इंस्पेक्टर अनिल पासवान की मौत हो गई है। अनिल पासवान चौपारण स्थित चोरदाहा चेक पोस्ट पर सेवा दे रहे थे। बाइक की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई है। दरअसल जैप 7 मुख्यालय हजारीबाग में पुलिस सभा आयोजित की गयी थी। इस कार्यक्रम में शामिल होने अनिल पासवान हजारीबाग आए थे। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद वापस चोरदाहा चौपारण जा रहे थे। पदमा गेट के पास बस पकड़ने के लिए खड़े थे, इसी दौरान बरही की ओर से आ रही एक बाइक की चपेट वो में आ गए। जिससे उनकी मौत हो गई। इस दुर्घटना को लेकर जैप 7 के कमांडेंट अविनाश कुमार ने बताया कि यह दुखदाई घटना

घटी है। कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे सब इंस्पेक्टर की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बरही की ओर से एक बाइक पर सवार 3 लोग आ रहे थे। उसी दो पहिए गाड़ी ने इन्हें धक्का मार दिया। जिससे ये गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में बाइक सवार सभी तीन लोग भी घायल हुए। सभी को इलाज के लिए हजारीबाग लाया जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही सब इंस्पेक्टर अनिल पासवान की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आगे की प्रक्रिया की जा रही है। यह विभाग और बटालियन के लिए अपूर्णीय क्षति है। घायलों में एक की स्थिति गंभीर है, अन्य दो सामान्य रूप से जख्मी हैं। सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। सब इंस्पेक्टर अनिल पासवान का उम्र 58 वर्ष के आसपास बताई जा रहा है। जो मूल रूप से बिहार के रोहतास जिला के बिक्रमगंज के रहने वाले थे।

## ऑल इंडिया पुलिस टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 28 जनवरी से झारखंड पुलिस टीम के चयन के लिए बोर्ड का गठन

**संवाददाता**

**रांचीः** आगामी द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस टी-20 क्रिकेट टूर्नामेट (2025-26) के लिए झारखंड पुलिस तैयारियों में जुट गई है। सीआरपीएफ की मेजबानी में 28 जनवरी से 3 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए आज झारखंड पुलिस के द्वारा तीन सदस्यीय बोर्ड का गठन किया गया। जिनमें स्पेशल ब्रांच एसपी, एटीएस और जैप 1 कमांडेंट को शामिल किया गया है। शुक्रवार की सुबह से शुरू हुए इस शिविर में राज्यभर के पुलिस विभागों से आए प्रतिभावान खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। चयन बोर्ड को निर्देश दिया गया है कि वे खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और फिटनेस के आधार पर कुल 16 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची तैयार करें।

## सर्वधर्म सद्भावना सम्मान समारोह में धार्मिक व सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को किया जायेगा सम्मानितः मो. इसलाम

**मेट्रो रेज संवाददाता**

**रांचीः** सर्वधर्म सदभावना समिति के तत्वावधान में समिति के मुख्य संरक्षक डा।अजीत सहाय की सरपरस्ती व समिति के अध्यक्ष मो। इसलाम की अध्यक्षता में इसी माह में सर्वधर्म सदभावना सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों को सम्पन्न कराने में उत्कृष्ट भूमिका निभाने के फलस्वरूप जिला प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन के प्रमुख पदाधिकारीगण, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठन के प्रमुख प्रतिनिधिगण के साथ - साथ सर्वधर्म सदभावना समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सदभावना सम्मान से नवाजते हुए सम्मानित किए जाएंगे। डॉ। अजीत सहाय एवं मो।इसलाम ने बताया कि सदभावना सम्मान समारोह को एतिहासिक रूप से सफल बनाने हेतु सभी से सम्पर्क किया जा रहा है एवं कार्यक्रम से संबंधित जल्द ही तिथि,समय एवं स्थान की घोषणा कर दी जाएगी।

## वार्ड 23 की पार्षद उम्मीदवार नीलोफर ने किया कंबल वितरण

**मेट्रो रेज संवाददाता**

रांचीः युवा एकता मंच के महिला सेल अध्यक्ष नीलोफर इमरान ने आज हिंदपीढ़ी के मंटू चौक मिल्ली कम्यूनिटी हॉल में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जहां वार्ड 23 के गरीब एवं असहाय लोगों के बीच कम्बल वितरण किया गया। इस समारोह को सबोधित करते हुए नीलोफर इमरान ने कहा कि कंबल पाकर लोगों के चेहरे पर जो खुशी आती है उससे मुझे काफी सुकून मिलता है। मैं जनता के दुख- दर्द का साथी हूं और हमेशा इनके साथ रहूंगा। इस अवसर पर युवा एकता मंच के अध्यक्ष श्री इमरान ने कहा कि युवा एकता मंच इस की वार्ड की

समस्या के समाधान के लिए तत्पर रहता है । कंबल वितरण समारोह में नीलोफर इमरान के साथ युवा एकता मंच के मुख्य सदस्य युवा एकता मंच के सरपरस्त अतिकुर रहमान,मोजामिल अंसारी,सरताब आलम, रासीद अहमद,मेराज अख्तर,फिरोज अंसारी, नदीम अनवर ,मो जुबेर, अनवर अन्नू जावेद अख्तर,बसीर गद्दी, सुहेब अंसारी,सकिल अंसारी,एजाज गद्दी,मो जबीउल्लाह,आबिद अख्तर,मो फिरोज (रेम्बो), असफाक बबलू, तोसीफ खान,शाहिद अख्तर(टुकलू), नुसरत प्रवीन, ज्यदा प्रवीन, इसरत प्रवीन ,मारया, सबीहा प्रवीन, नीलोफर (नीलू), जयदा खातून, सबीना प्रवीन, मो फीरोज ,मो ऐजाज, अजय तिर्की, अकरम खान, अमित खलको व अन्य उपस्थित रहे।

## झारखंड स्वास्थ्य विभाग ने निपाह को लेकर जारी किया परामर्श, जिलों को निगरानी बढ़ाने के दिए निर्देश

**संवाददाता**

**रांचीः** झारखंड स्वास्थ्य विभाग ने पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस के दो मामलों की पुष्टि के मद्देनजर एक परामर्श जारी करते हुए सभी जिलों के सिविल सर्जन को सतर्कता बढ़ाने और निगरानी तेज करने के निर्देश दिए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि झारखंड में अब तक निपाह का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है, लेकिन प्रभावित क्षेत्रों से लोगों की आवाजाही संभावित खतरा पैदा कर सकती है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार ने कहा, रोग की अत्यधिक संक्रामक प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए विभाग ने निरंतर निगरानी की आवश्यकता पर

जोर दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि निपाह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों से मनुष्यों और जानवरों में फैलता है। इसका संक्रमण चमगादड़ों की लार या मूत्र से दूषित फलों या कच्चे खजूर के रस के सेवन से या संक्रमित व्यक्तियों और उनके शारीरिक द्रवों के निकट संपर्क से भी फैल सकता है। परामर्श में निपाह के लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, चक्कर आना, खांसी, सांस लेने में कठिनाई, गले में खराश, मानसिक स्थिति में बदलाव तथा दौरे और कोमा जैसी तंत्रिका संबंधी गंभीर जटिलताओं का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है, जिलों को निर्देश दिया जाता है कि वे निपाह प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले व्यक्तियों की विशेष रूप से जांच और निगरानी करें, ताकि किसी संभावित प्रकोप को रोका और नियंत्रित किया जा सके। सभी संदिग्ध मामलों की एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) को तुरंत सूचना दी जाए। इसमें यह भी कहा गया है कि गंभीर लक्षणों या श्वसन संकट वाले मरीजों को तुरंत पृथक किया जाए और उन्नत चिकित्सा देखभाल के लिए रेफर किया जाए। सभी स्वास्थ्य संस्थानों में संक्रमण रोकथाम एवं नियंत्रण (आईपीसी) प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। परामर्श में आम लोगों से अपील की गई है कि वे गिरे हुए फल न खाएं, कच्चा खजूर का रस या ताड़ी का सेवन न करें, अनावश्यक निकट संपर्क से बचें और लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें। इस बीच एक अधिकारी ने बताया कि यहां राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में एक पृथक वार्ड में 22 बिस्तर तैयार रखे गए हैं। इससे पहले 13 जनवरी को राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और जन जागरूकता को लेकर अलर्ट जारी करते हुए दिशा-निर्देश भी जारी किए थे। निपाह वायरस एक अधिसूचित रोग है, जिसकी मृत्यु दर अधिक है और इसके तेजी से फैलने की आशंका रहती है। ऐसे में इसकी केंद्र सरकार को तुरंत सूचना देना अनिवार्य है।

**कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय**
**लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची**
कमरा नं० 302, तृतीय तल्ला, अभियंत्रण भवन,
कचहरी चौक, राँची– 834001
ई–मेल – eemidran-cemr-jhr@nic.in,
midranchi2018@gmail.com
फोन नं० – 0651–3512781

पत्रांक............./ राँची, दिनांक......../......./2026

**निविदा स्थागन सूचना**

प्रखण्ड– कांके अन्तर्गत मुख्यमंत्री सौर ऊर्जा चालित उद्वह सिंचाई योजना पतरातु का निर्माण कार्य का आमंत्रित ई० निविदा आमंत्रण सं०– WRD/MID/04/BD/(SLI)2025-26 जिसका PR 367551 Minor Irrigation (25-26)#D को अपरिहार्य कारणों से अगले आदेश तक स्थगित किया जाता हैं।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची

PR 370653 (Minor Irrigation)25-26*D

**राँची समाहरणालय, राँची**
**(सामाजिक सुरक्षा कोषांग) जिला बाल संरक्षण इकाई**

**गुमशुदा बालिका की सूचना**
(बाल कल्याण समिति, रांची के आदेशानुसार)

- नाम– अपीक्षा (काल्पनिक नाम)
- लिंग– बालिका
- पिता का नाम– अज्ञात
- माता का नाम– अज्ञात
- पता– अज्ञात
- उम्र – 02 वर्ष 05 माह (लगभग)
- रंग – सांवला

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाल कल्याण समिति, राँची के आदेशानुसार एक (01) बालिका अपीक्षा (काल्पनिक नाम) उम्र– 02 वर्ष 05 माह (लगभग) को करूणा एन०एम०ओ०, राँची में आवासित किया गया है। जिसके जैविक एवं विधिक संरक्षक का पता लगाने हेतु राज्य स्तरीय एवं स्थानीय अखबार में विज्ञापन प्रकाशित की गयी है। उक्त बालिका के जैविक एवं विधिक संरक्षक का विज्ञापन प्रकाशन के 60 दिनों (दो माह) तक कोई दावा प्रस्तुत नहीं होने पर दत्तक ग्रहण मार्गदर्शिका 2017 के नियम, 6 के उपनियम, 13 के अन्तर्गत बालिका को दत्तक ग्रहण हेतु बाल कल्याण समिति, राँची द्वारा कानुनी रूप से मुक्त किया जा सकेगा।

दावा प्रस्तुत करने का पता एवं संपर्क नम्बर–

1. बाल कल्याण समिति, राँची
   राँची समाहरणालय, राँची, भवन–ब्लॉक बी, कमरा संख्या–110
2. जिला बाल संरक्षण इकाई, राँची।
   राँची समाहरणालय, राँची, भवन–ब्लॉक बी, कमरा संख्या–111
   सम्पर्क सूत्र–06513505516

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, राँची
PR 370617 District (25-26)_D
सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, राँची

**कार्यालय, जिला परिषद, राँची**
**(अभियंत्रण शाखा)**

**अति अल्पकालीन पुनः ई–निविदा आमंत्रण सूचना**
**टेन्डर रिफ्रेन्स नम्बर–DOPR/DE/Ranchi/23/2025-26**
**PR.NO. 368120**

| क्र0 | प्रखण्ड | पंचायत | योजना का नाम | स्वीकृत राशि (रुपये में) | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र कामूल्य | कार्य समाप्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 03 | राहे | रंगामाटी | प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण | 1,43,00,000 | 2,86,000.00 | 10,000.00 | 12 माह |

नोट :–केवलई–टेण्डर ही स्वीकार होगें।
1.अधिक जानकारी के लिए बेबसाईटjharkhandtenders.gov.inपर देखा जा सकता है।
2. बेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि– 17.01.2026
3. ई–निविदा की प्राप्ति की तिथि एवं समय–19.01.2026 से 27.01.2026 अपराह्न 5.00 बजेतक।
4. **निविदा खोलने की तिथि–28.01.2026 को 5.00 बजे अपराह्न।**
5. निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पता–जिला अभियंता, जिला परिषद, राँची।
ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष नं0– 7739519093
6. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि कोई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
8. Form of Bid एवं Bill of Quauntity में दर भिन्न रहने पर संबंधित निविदादाता का निविदा अमान्य समझा जाएगा।
9.**निविदा डबलबीड प्रद्वति से होगा।**
10. **इस निविदा में जिला परिषद, राँची में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक ही भाग लेगें।**

जिला अभियंता,
जिला परिषद, राँची

PR 370677 Panchayati Raj(25-26).D

**झारखण्ड सरकार**
**कार्यालय, उपायुक्त–सह–जिला दंडाधिकारी,रांची।**
**(जिला सूचना एवं जन–सम्पर्क, इकाई,रांची)**

पत्रांक/ज०स० रांची दिनांक

**अति अल्पकालीन निविदा**

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) 2026 के अवसर पर मोरहाबादी मैदान, रांची में सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, झारखण्ड,रांची की झांकी के निर्माण ( झांकी की थीम –**''झारखण्ड के 25 वर्ष''** ) के संदर्भ में के लिए अनुभवी संस्थानो/फर्मो से दिनांक 22.01.2026 के अपराह्न 01:00 बजे तक टर्न की आधार पर सालवेज वैल्यू सहित मुहरबंद निविदा जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी,रांची, कमरा संख्या–119, प्रथम तल ब्लॉक–ए समाहरणालय, रांची के नाम से आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदा उसी दिन अपराह्न 03:30 बजे क्रय समिति के समक्ष निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जायेगी।

निविदा की शर्ते :–

1. निविदा के साथ 1,00,000/–(एक लाख) रूपये का बैंक ड्राफ्ट जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी, रांची के पदनाम से भुगतेय संलग्न करना अनिवार्य होगा।
2. निविदा दो लिफाफे में देना होगा, एक में तकनीकी तथा दूसरे में वित्तीय बीड होगा।
3. झांकी का निर्माण दिनांक 25.01.2026 को अपराह्न 03:00 बजे तक मोरहाबादी मैदान, रांची के निर्देशित स्थल पर पूर्णरूपेण तैयार करना अनिवार्य होगा। थीम के अनुरूप झांकी प्रदर्शन में किसी प्रकार की कमी रह जाने की स्थिति में निविदादाता को भुगतेय राशि में तदनुसार कटौती करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।
4. झांकी मॉडल को ट्रेलर में बड़े रूप में निकालना होगा।
5. तकनीकी निविदा के अन्तर्गत निविदादाता को सरकारी क्षेत्र में समान प्रकृति के कार्य हेतु कम से कम 5 वर्षो का अनुभव प्रमाण–पत्र संलग्न करना होगा।
6. तकनीकी बीड में जी0एस0टी (GST) निबंधन प्रमाण–पत्र, इनकम टैक्स (Income Tax) अद्यतन बकाया राशि रहित प्रमाण–पत्र, फर्म को किसी भी संस्थान द्वारा काली सूची में नहीं डाला गया हो उसका शपथ पत्र संलग्न करना होगा तथा डिमाण्ड ड्राफ्ट, थीम का आलेख ''–**''झारखण्ड के 25 वर्ष''** के संदर्भ में झांकी का डिजाईन/ मॉडल एवं write up की प्रति भी देना होगा।
7. तकनीकी बीड का चयन झांकी का थीम एवं 3D मॉडल की कलात्मकता एवं गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा।
8. वित्तीय बीड में सभी कर एवं सभी प्रकार के व्यय सहित दर अंकित करना होगा।
9. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये रदद् करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित होगा।
10. झांकी से संबंधित किसी भी अन्य बिन्दु की पृच्छा हेतु जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी,रांची से उनके कार्यालय कक्ष में अथवा मोबाईल संख्या – 9470932469 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी,
रांची।

PR.NO.370698 IPRD(25-26):D

## सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

## भारतीय सेना: युद्धभूमि में अडिग, संकट में राष्ट्र का संबल

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी।

भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे ह्यभारतीय थल सेनाह्ण नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी।

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को ह्यकश्मीर युद्धह्ण नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था।

आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। 2025 की ह्यग्लोबल फायरपावर रिपोर्टह्ण के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलिरी, 3300 हल्की आर्टिलिरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं। भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शमिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो। भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे-ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं। धरती पर लड़ी जाने वाली लड़ाईयों के लिए भारतीय सेना की गिनती दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में होती है और कहा जाता है कि अगर किसी सेना में अंग्रेज अधिकारी, अमेरिकी हथियार और भारतीय सैनिक हों तो उस सेना को युद्ध के मैदान में हराना असंभव होगा।

जापान के एक आकलन के मुताबिक भारतीय थलसेना चीन के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। इस रिपोर्ट के अनुसार हिन्द महासागर के मध्य में होने के कारण भारत की रणनीतिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है और दक्षिण एशिया में अब भारत का काफी प्रभाव है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट सीएनएन की एक रिपोर्ट में भी दावा किया जा चुका है कि भारत की ताकत पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ गई है और युद्ध की स्थिति में भारत का पलड़ा भारी रह सकता है। बोस्टन में हार्वर्ड केनेडी स्कूल के बेलफर सेंटर फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल अफेयर्स तथा वाशिंगटन के एक अमेरिकी सुरक्षा केन्द्र के अध्ययन में कहा जा चुका है कि भारतीय सेना उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ाई के मामले में माहिर है और चीनी सेना इसके आसपास भी नहीं फटकती।

# ईरान, ट्रंप और प्रतिरोध की राजनीति

1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही ईरान अमेरिका की रणनीतिक और वैचारिक राजनीति का लक्ष्य रहा है। अमेरिका ने ईरान को केवल एक राष्ट्र-राज्य के रूप में नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक राजनीतिक मॉडल के रूप में देखा- ऐसा मॉडल जो पश्चिमी प्रभुत्व, इजराइल-केन्द्रित पश्चिम एशिया नीति और अमेरिकी साम्राज्यवादी सोच को चुनौती देता है।

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कुछ संघर्ष केवल सीमाओं या संसाधनों तक सीमित नहीं होते, वे विचारधाराओं, सत्ता-संतुलन और नैतिकता की भी परीक्षा लेते हैं। ईरान और अमेरिका के बीच दशकों से चला आ रहा टकराव ऐसा ही एक संघर्ष है, जो समय-समय पर नए रूपों में सामने आता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान यह टकराव जिस तीव्रता और आक्रामकता के साथ उभरा, उसने वैश्विक राजनीति को एक बार फिर शीतयुद्धोत्तर दौर की अस्थिरता की याद दिला दी।

1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही ईरान अमेरिका की रणनीतिक और वैचारिक राजनीति का लक्ष्य रहा है। अमेरिका ने ईरान को केवल एक राष्ट्र-राज्य के रूप में नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक राजनीतिक मॉडल के रूप में देखा- ऐसा मॉडल जो पश्चिमी प्रभुत्व, इजराइल-केन्द्रित पश्चिम एशिया नीति और अमेरिकी साम्राज्यवादी सोच को चुनौती देता है। यही कारण है कि ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध, कूटनीतिक अलगाव और सैन्य दबाव लंबे समय से अमेरिकी विदेश नीति का हिस्सा रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में यह नीति और अधिक कठोर, असंवेदनशील और टकरावपूर्ण हो गई। 2015 में ईरान और विश्व शक्तियों के बीच हुए परमाणु समझौते (खउढडअ) से अमेरिका का एकतरफा हटना न केवल कूटनीतिक असंतुलन का उदाहरण था, बल्कि यह भी दशार्ता था कि ट्रंप प्रशासन अंतरराष्ट्रीय सहमति और बहुपक्षीयता को किस हद तक नजरअंदाज करने को तैयार था। इसके बाद ईरान पर ह्लअधिकतम दबाव नीतिह्व लागू की गई, जिसका उद्देश्य ईरानी अर्थव्यवस्था को घुटनों पर लाना और शासन को आंतरिक विद्रोह की ओर धकेलना था। इतिहास साक्षी है कि दबाव हमेशा झुकाव पैदा नहीं करता। कई बार वह प्रतिरोध को जन्म देता है। ईरान के मामले में भी यही हुआ। आर्थिक कठिनाइयों, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद ईरान ने अपने राजनीतिक अस्तित्व, संप्रभुता और वैचारिक पहचान को बनाए रखा। यहाँ यह समझना जरूरी है कि ईरान का विरोध केवल अमेरिका की नीतियों से नहीं है, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था से है जिसमें कुछ गिने-चुने देश स्वयं को न्यायाधीश और शेष दुनिया को अभियुक्त मान लेते हैं। जैसी करनी वैसी भरनीह्व का सिद्धांत केवल नैतिक कहावत नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी गहराई से लागू होता है। पश्चिम एशिया में दशकों तक किए गए अमेरिकी हस्तक्षेप-इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया- ने क्षेत्र को स्थिरता नहीं, बल्कि अराजकता दी। लोकतंत्र के नाम पर सत्ता परिवर्तन, मानवाधिकारों के नाम पर सैन्य आक्रमण और आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध के नाम पर निर्दोष नागरिकों की हत्या- इन सबने अमेरिका की नैतिक साख को गहरा नुकसान पहुँचाया। ऐसे में जब ईरान अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देता है तो वह केवल अपनी रक्षा नहीं कर रहा, बल्कि उस व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है, जो ताकत को ही न्याय मानती है। ट्रंप की विदेश नीति का एक और खतरनाक पहलू उसका व्यक्तिवादी और आवेगपूर्ण स्वभाव था। कूटनीति संवाद और धैर्य से चलती है, जबकि ट्रंप की राजनीति ट्वीट, धमकी और शक्ति-प्रदर्शन पर आधारित थी। ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या इसी मानसिकता का परिणाम थी। यह घटना न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन थी, बल्कि इसने पूरे पश्चिम एशिया को युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया। इसके बाद ईरान की प्रतिक्रिया ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब वह केवल सहने की नीति पर नहीं चल रहा। ईरान की राजनीति को अक्सर पश्चिमी मीडिया में कट्टर, दमनकारी और पिछड़ा बताकर प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन यह चित्रण अधूरा और एकांगी है। ईरान की जनता ने बार-बार यह साबित किया है कि वे बाहरी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करेंगे, चाहे वह कितनी भी आकर्षक शब्दावली में क्यों न लपेटा गया हो। ईरान में सरकार की आलोचना होती है, विरोध होते हैं, लेकिन जब बात राष्ट्रीय संप्रभुता की आती है, तो जनता और सत्ता एकजुट दिखाई देते हैं। यही वह तत्व है जिसे पश्चिमी रणनीतिकार अक्सर समझने में चूक जाते हैं।

भारत जैसे देशों के लिए यह पूरा परिदृश्य एक गंभीर चेतावनी भी है और अवसर भी। ईरान भारत का पारंपरिक मित्र रहा है-ऊर्जा सुरक्षा, क्षेत्रीय संपर्क (चाबहार बंदरगाह) और मध्य एशिया तक पहुँच के लिहाज से ईरान का महत्व असंदिग्ध है। लेकिन अमेरिका के दबाव में भारत का ईरान से दूरी बनाना उसकी स्वतंत्र विदेश नीति पर प्रश्न खड़े करता है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को किसी तीसरे देश की नाराजगी के डर से गिरवी न रखे। आज वैश्विक राजनीति एक संक्रमण काल से गुजर रही है। एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था की पकड़ ढीली पड़ रही है और बहुध्रुवीयता का उदय हो रहा है। ऐसे में ईरान जैसे देश, जो लंबे समय से दबाव और प्रतिबंधों के बीच खड़े रहे हैं, नए शक्ति-संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। रूस-चीन-ईरान के बढ़ते समीकरण इस बदलाव के संकेत हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अब दुनिया केवल वाशिंगटन के इशारों पर नहीं चलेगी।

अंततः प्रश्न यह नहीं है कि ईरान सही है या अमेरिका गलत। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या वैश्विक राजनीति में शक्ति ही न्याय का एकमात्र पैमाना होगी या फिर अंतरराष्ट्रीय कानून, संप्रभुता और समानता के सिद्धांतों को वास्तविक सम्मान मिलेगा। यदि बड़े राष्ट्र अपनी करनी से दुनिया को डराते रहेंगे तो भरनी के रूप में उन्हें अस्थिरता, अविश्वास और प्रतिरोध ही मिलेगा। ईरान और ट्रंप के दौर की अमेरिकी राजनीति हमें यही सिखाती है कि दमन से स्थायित्व नहीं आता और धमकी से सम्मान नहीं मिलता। इतिहास अंततः उसी का पक्ष लेता है जो अपनी संप्रभुता, आत्मसम्मान और जनता की चेतना के साथ खड़ा रहता है।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# ग्रामीण स्कूलों में शिक्षिकाओं की कमी

भारत में शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण का प्रावधान है। यह कानून स्पष्ट रूप से महिलाओं को समान अवसर देने की दिशा में उठाया गया कदम है। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब भर्ती में आरक्षण है, तो पोस्टिंग में यह क्यों लागू नहीं होता? ग्रामीण क्षेत्र में पुरुष शिक्षकों की तैनाती क्यों अधिक होती है और महिलाओं को वहां सेवा देने के लिए क्यों नहीं प्रोत्साहित किया जाता?

**डॉ. प्रियंका सौरभ**

भारत में शिक्षा की गुणवत्ता और समानता हमेशा से एक चुनौती रही है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच, संसाधनों, शिक्षक उपलब्धता और शिक्षा के अवसरों में व्यापक अंतर दिखाई देता है। इस असमानता का सबसे स्पष्ट उदाहरण प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की तैनाती और लिंग संतुलन में देखा जा सकता है। शहरों के प्राथमिक स्कूलों में अक्सर 10 से 18 शिक्षक तैनात होते हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं होती हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक स्कूलों में औसतन 3झ्र4 शिक्षक ही होते हैं और उनमें से एक भी महिला नहीं होती। यही वह असमानता है, जो न केवल शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित करती है बल्कि समाज में लिंग समानता की दिशा में भी बड़ी बाधा बनती है।

भारत में शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण का प्रावधान है। यह कानून स्पष्ट रूप से महिलाओं को समान अवसर देने की दिशा में उठाया गया कदम है। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब भर्ती में आरक्षण है, तो पोस्टिंग में यह क्यों लागू नहीं होता? ग्रामीण क्षेत्र में पुरुष शिक्षकों की तैनाती क्यों अधिक होती है और महिलाओं को वहां सेवा देने के लिए क्यों नहीं प्रोत्साहित किया जाता? इसका उत्तर जटिल है। सबसे पहले, सुरक्षा और सुविधाओं की कमी एक बड़ा कारण है। सुदूर और दूर-दराज के गांवों में रहने की सुविधा सीमित होती है। कई महिला शिक्षक वहां तैनाती के लिए अनिच्छुक रहती हैं। परिवहन की समस्या, सुरक्षित आवास की कमी, सामाजिक और पारिवारिक प्रतिबंध जैसे कारक भी उनके निर्णय को प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर, सरकारी नीतियाँ इस असमानता को सीधे संबोधित नहीं करती हैं। भर्ती में आरक्षण को तो लागू किया जाता है, लेकिन पोस्टिंग में ह्लइच्छाह्व और ह्लसुविधाह्व को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप, ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष शिक्षकों की संख्या अधिक रहती है। यही वह दोहरा मापदंड है, जो महिलाओं के समानता के अधिकारों और शिक्षा के मूल सिद्धांत के खिलाफ जाता है। सामाजिक दृष्टि से यह असमानता और भी चिंताजनक है। महिला शिक्षक केवल शैक्षिक कर्तव्य नहीं निभाती हैं; वे बच्चों के लिए रोल मॉडल होती हैं। विशेष रूप से लड़कियों के लिए, महिला शिक्षक शिक्षा में प्रेरणा और विश्वास का स्रोत होती हैं। ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की अनुपस्थिति का मतलब है कि लड़कियां उच्च शिक्षा और करियर के विकल्पों के प्रति प्रेरित नहीं हो पातीं।

इसके अलावा, शिक्षकों की संख्या और लिंग संतुलन का प्रभाव बच्चों की सीखने की क्षमता पर भी पड़ता है। शोधों से पता चलता है कि लिंग संतुलन वाले कक्षा वातावरण में बच्चों की सामाजिक और भावनात्मक विकास बेहतर होता है। वे सहकर्मी सहयोग, समानता की भावना और सामाजिक संवेदनशीलता सीखते हैं। यदि ग्रामीण स्कूलों में केवल पुरुष शिक्षक हैं, तो यह अनुभव बच्चों से छूट जाता है।

कानूनी और संवैधानिक दृष्टि से भी यह असमानता चुनौतीपूर्ण है। भारतीय संविधान की धारा 14 और 15 हर नागरिक को समानता का अधिकार देती है और लिंग के आधार पर भेदभाव से बचाती है। भर्ती में 50% आरक्षण तो महिलाओं को समान अवसर देता है, लेकिन पोस्टिंग में इसे नजरअंदाज करना संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है। यह नीति केवल कानूनी रूप से नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी असंगत है।

सरकार की इस दोहरी नीति का असर स्पष्ट है। शहरी स्कूलों में महिलाएं भरपूर तैनात हैं, इसलिए 50% आरक्षण दिखाई देता है। वहीं, ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की कमी, उनके आरक्षण का वास्तविक लाभ न के बराबर कर देती है। यह नीति न केवल ग्रामीण शिक्षा को कमजोर करती है, बल्कि सामाजिक और लैंगिक समानता के मूल सिद्धांत को भी कमजोर करती है।

इस असमानता को दूर करने के लिए ठोस कदम जरूरी हैं। महिला शिक्षकों को आकर्षित करने के लिए विशेष भत्ता, सुरक्षित और संरचित आवास, परिवहन सुविधा और स्वास्थ्य सुविधाएँ सुनिश्चित की जानी चाहिए। अगर महिलाओं को सुरक्षा और सुविधा मिलेगी, तो वे ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देने के लिए अधिक इच्छुक होंगी।

भर्ती के साथ-साथ पोस्टिंग नीति में भी महिलाओं का 50% प्रतिनिधित्व अनिवार्य होना चाहिए। इसे लागू करने के लिए सरकार को विशेष निर्देश जारी करने होंगे और तैनाती की निगरानी करनी होगी। स्थानीय समुदाय के सहयोग से महिला शिक्षकों की सेवा को सरल और सुरक्षित बनाया जा सकता है। ग्राम स्तर पर महिला शिक्षकों के लिए सहायता समूह और स्थानीय सुरक्षा नेटवर्क बनाए जा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में सेवा देने वाली महिला शिक्षिकाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और पेशेवर विकास के अवसर सुनिश्चित करने होंगे। यह उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगा और ग्रामीण शिक्षा में उनका योगदान बढ़ाएगा।

ग्रामीण समाज में महिलाओं के काम करने के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण बदलना आवश्यक है। महिलाओं की शिक्षा और पेशेवर भूमिका को सम्मान और समर्थन मिलना चाहिए। यदि इन कदमों को अपनाया जाए तो न केवल ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की कमी दूर होगी, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह नीति ग्रामीण शिक्षा में समानता और गुणवत्ता का संदेश भी भेजेगी।

भर्ती में आरक्षण का होना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक समानता तभी संभव है जब पोस्टिंग में भी लिंग संतुलन और सुविधा आधारित नीति लागू हो। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल पुरुष शिक्षकों की उपस्थिति यह स्पष्ट करती है कि आरक्षण का लाभ महिलाओं तक सही मायने में नहीं पहुँच रहा है। अगर हम चाहते हैं कि भारत की शिक्षा प्रणाली सभी बच्चों के लिए समान अवसर और उच्च गुणवत्ता प्रदान करे, तो यह समय है कि सरकार इस असमानता को दूर करने के लिए स्पष्ट और ठोस नीति सुधार करे।

**(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# ठाकुर जी के सामने से दर्शन क्यों हैं मना

हिंदू धर्म और भारतीय परंपराओं में भगवान की पूजा-अर्चना और भक्ति का गहरा आध्यात्मिक ऊर्थ होता है। अक्सर हमारे घर के बड़े-बूढ़े या फिर मंदिर के पुजारी सलाह देते हैं कि कभी भी हमें ठाकुर जी की प्रतिमा के दर्शन बिल्कुल सामने से दर्शन नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह सिर्फ एक परंपरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक कारण छिपे हैं। चाहे घर का छोटा सा मंदिर हो या फिर वृंदावन का बांके बिहारी जैसा भव्य और दिव्य धाम हो। भगवान के दर्शन करने का एक विशेष सलीका होता है।

यह सलीका भगवान और भक्त के बीच के संबंध को अधिक गहरा और सुरक्षित बनाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर क्यों ठाकुर जी के सामने खड़े होकर उनके दर्शन नहीं करने चाहिए।

**सामने खड़े होकर क्यों नहीं करने चाहिए ठाकुर जी के दर्शन**

जब भी हम ठाकुर जी के ठीक आंखों के सामने खड़े होते हैं, तो उस तीव्र ऊर्जा को हमारा शरीर सहन नहीं कर पाता है। यह वैसा ही है, जैसे सूरज की रोशनी को सीधे देखने पर आंखें चौंधिया जाती हैं। लेकिन जब आप किनारे से ठाकुर जी के दर्शन करते हैं, तो हम उस ऊर्जा को धीरे-धीर और सौम्य तरीके से ग्रहण कर पाता है।

इसके अलावा भगवान के सामने सीधे खड़े होना 'अहंकार' का भी प्रतीक माना जा सकता है, जैसे हम किसी बराबरी वाले व्यक्ति के सामने खड़े हो रहे हैं। इसके उलट थोड़ा हटकर या तिरछा खड़े होने से 'दास्य भाव' और 'विनम्रता' को दशार्ता है।

जब भी हम किनारे खड़े होकर झुककर भगवान के दर्शन करते हैं, तो हमारे अंदर यह भाव जागता है कि हम ईश्वर के चरणों के सेवक हैं। हमारी यह विनम्रता ईश्वर तक हमारी प्रार्थना को पहुंचाने का माध्यम बनती है।

भक्ति शास्त्र के मुताबिक व्यक्ति को भगवान के दर्शन किश्तों में करना चाहिए। पहली बार में चरण, फिर कमर और फिर वक्षस्थल और अंत में मुखारविंद यानी की चेहरे के दर्शन करने चाहिए। लेकिन अगर आप सीधे सामने खड़े होकर भगवान के दर्शन करते हैं, तो हमारा ध्यान भटक सकता है।

आप किनारे खड़े होकर बारीकी से ठाकुर जी के स्वरूप को निहार सकते हैं। ब्रज की परंपरा में तो भगवान को 'नजर' लगने का भी भाव होता है। इसलिए भक्त सीधे सामने खड़े होकर भगवान को एकटक नहीं देखते हैं, जिससे हमारे आराध्य को नजर न लग जाए।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुसार, मंदिर में मूर्तियों को ऐसे स्थान पर रखा जाता है, जहां पर पृथ्वी की चुंबकीय तरंगे सबसे अधिक होती है। वहीं मूर्ति के एकदम सामने इन तरंगों का केंद्र होता है। सीधे सामने खड़े होकर दर्शन करने की बजाय थोड़ा हटकर खड़े होने से यह तरंगे धीरे-धीरे हमारे शरीर के चक्रों को प्रभावित करती है।

## टिप्स

### अब हॉट चॉकलेट नहीं करेगा बीमार

सर्दियों के दौरान जब ठंड ज्यादा लगती हैं, तो ऐसे में लोग हॉट चॉकलेट ड्रिंक का सेवन जरुर करते हैं। विंटर में गर्म दूध, हॉट चॉकलेट और कॉफी सहित कई हॉट ड्रिंक्स को लोग अपनी डाइट में जरुर शामिल करते हैं। इससे न केवल शरीर को अंदर से गर्माहट मिलती है, बल्कि ठंडे मौसम में इनका स्वाद भी खूब पसंद आता है। सबसे ज्यादा लोग सर्दियों में हॉट चॉकलेट का सेवन करते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि हॉट चॉकलेट को बनाते समय अगर आप कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरुरी है, ये आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। यदि आप इसे गलत तरीके से बनाएंगी, तो इससे अपच, थकान और डायबिटीज का बढ़ना जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं। आइए आपको बताते हैं हॉट चॉकलेट बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

**आयुर्वेद से जानें हॉट चॉकलेट को बनाने का सही तरीका**

- एक्सपर्ट ने बताया है कि यदि आप सर्दियों में हॉट चॉकलेट पीना चाहते हैं, तो ये इस मौसम के लिए सबसे बेस्ट है। इसको आप अपनी डाइट का हिस्सा बना सकती हैं, लेकिन आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि ये आपकी सेहत को नुकसान न पहुंचाए।
- इस बात को जान लीजिए कि हॉट चॉकलेट एक मिल्क बेस्ड ड्रिंक है और इसे पचाना काफी मुश्किल होता है। इसलिए इसे मील्स के साथ या भारी खाने के तुरंत बाद न लें।
- अक्सर इसे पीने के बाद पेट भारी रहता है या बहुत फूला हुआ लगता है। इसे कम करने के लिए आप हॉट चॉकलेट बनाते समय इसमें अदरक और दालचीनी मिलाएं।
- अदरक और दालचीनी का तासीर गर्म होती है और यह सर्दियों के मौसम में काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से शरीर को गर्माहट मिलेगी, सर्दी-खांसी नहीं होती है और इंफेक्शन से बचाव होता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
**email : metrorays.ranchi@gmail.com**

# खरीफ मौसम में सर्वेयर की लंबित राशि के भुगतान के लिए अविलंब आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें : सतीश

संवाददाता

**साहिबगंज :** उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में कृषि विभाग एवं आत्मा द्वारा संचालित योजनाओं,कार्यों की समीक्षात्मक बैठक विकास भवन सभागार साहिबगंज में आयोजित की गई।बैठक में उप विकास आयुक्त द्वारा कृषि से संबंधित विभिन्न योजनाओं रबी बीज वितरण, बिरसा फसल विस्तार योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं मिट्टी नमूना संग्रह, किसान क्रेडिट कार्ड, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना, झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना, फसल सुरक्षा कार्यक्रम, प्रति बूँद अधिक फसल, डिजिटल क्रॉप सर्वे, किसान समृद्धि योजना, आत्मा व राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।रबी बीज वितरण की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए इसके प्रत्यक्षण का जमीनी सत्यापन कराने का निर्देश दिया गया। मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना अंतर्गत 11,870 मिट्टी नमूना संग्रह के लक्ष्य के विरुद्ध 82.67 प्रतिशत नमूनों का संग्रह पूर्ण होने एवं 6,676 मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों के बीच वितरण की जानकारी दी गई। शेष नमूनों का संग्रह शीघ्र पूर्ण करने और मृदा स्वास्थ्य कार्ड की उपयोगिता की जानकारी किसानों तक व्यापक रूप से पहुँचाने का निर्देश सभी संबंधित कर्मियों को दिया गया।डिजिटल क्रॉप सर्वे योजना अंतर्गत रबी मौसम के लिए सर्वेयर की संख्या बढ़ाने व लक्ष्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही खरीफ मौसम में सर्वेयर की लंबित राशि के भुगतान हेतु अविलम्ब आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश सभी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं

सहायक तकनीकी प्रबंधकों को दिया गया। जबकि सभी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक एवं सहायक तकनीकी प्रबंधकों को ब्लॉकचेन के माध्यम से ही बीज और आई.एन.एम. आई.पी.एम. का वितरण सुनिश्चित करने एवं नए किसानों के निबंधन का कार्य निरंतर जारी रखने का निर्देश दिया गया। किसान क्रेडिट कार्ड योजना अंतर्गत शिविरों के माध्यम से आवेदन सृजित कर संबंधित बैंकों को शीघ्र स्वीकृति हेतु भेजने तथा आवेदन सृजन करने वाले किसान मित्रों की सूची जिला मुख्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, ताकि उन्हें निर्धारित प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जा सके।

केंद्र प्रायोजित प्रति बूँद अधिक फसल योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी लंबित आवेदनों का अविलम्ब अधिष्ठापन पूर्ण कराते हुए शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।किसान समृद्धि योजना अंतर्गत सभी प्रखंडों को लक्ष्य के अनुरूप चलंत सोलर इकाई वितरण कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में बताया गया कि प्रखंड बरहेट, बोरियो, मंडरो, पतना एवं तालझारी में लक्ष्य के विरुद्ध अभी आधी चलंत सोलर इकाई का वितरण शेष है। संबंधित प्रखंडों के कर्मियों को लक्ष्य अविलम्ब पूर्ण करने हेतु सख्त निर्देश दिए गए। मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोक्ता, उप परियोजना निदेशक आत्मा मंटू कुमार सहित संबंधित प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक व सहायक तकनीकी प्रबंधक उपस्थित थे।

## सड़क सुरक्षा नियमों का पालन जीवन की सुरक्षा से जुड़ा विषय है : अभिषेक मुंडा

संवाददाता

**साहिबगंज :** राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत 15वें दिन साहिबगंज के मुख्य हाट बाजार में सड़क सुरक्षा को लेकर सड़क सुरक्षा चौपाल का भव्य एवं जागरूकता पूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के हाटझबाजारों एवं पंचायत स्तर पर लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना था।कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा योद्धा एवं राहवीर योजना के तहत नागरिकों को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की गोल्डन ऑवर में सहायता कर जीवन बचाने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित लोगों को यातायात नियमों के पालन हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग तेज गति नशे की

हालत में वाहन न चलाने के प्रति शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर एम.भी.आई. कुमार उत्कर्ष एवं अभिषेक मुंडा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। थोड़ी सी सावधानी कई अनमोल जिंदगियों को बचा सकती है।कार्यक्रम में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य कर्मियों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों के बीच सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा कर सुरक्षित यातायात संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

## अर्जुन यादव स्वतंत्रता सेनानी के साथ किसान और पहलवान भी थे : बजरंगी

संवाददाता

**साहिबगंज :** शहर के भरतिया कालोनी स्थित अयोध्या धाम में गुरुवार को स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय अर्जुन यादव की आठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।इस अवसर पर स्व.अर्जुन यादव के पुत्र अमरनाथ यादव,बजरंगी यादव सहित परिवार के अन्य सदस्य, शुभचिंतक एवं क्षेत्र के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।सभी ने बारी-बारी से स्व.अर्जुन यादव के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नम आँखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी।श्रद्धांजलि सभा से पूर्व पुरोहित द्वारा विधिवत पूजन-पाठ कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने स्व.अर्जुन यादव के जीवन और योगदान को याद करते हुए कहा कि वे एक स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-

साथ कर्मठ किसान और पहलवान भी थे।समाज में उन्होंने अपनी सादगी,ईमानदारी और साहस के बल पर विशिष्ट पहचान बनाई,जो आज भी जनमानस के लिए प्रेरणास्रोत है।बताया गया कि उन्हीं आदर्शों और ईमानदारी की राह पर चलते हुए भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री सह पश्चिम बंगाल के चुनाव प्रभारी बजरंगी प्रसाद यादव समाजसेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय हैं और हर तरह के सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।श्रद्धांजलि सभा मे बास्की यादव,मो कलीमुद्दीन, कृष्णा शर्मा, आनंद मोदी, बबलू तिवारी,जय प्रकाश सिन्हा, मनोज केशरी, कुंदन पासवान,ललन सिंह,ललित कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

## पलाश आजीविकोत्सव सरस मेला को लेकर हुई बैठक

संवाददाता

**देवघर :** जिले के उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को पलाश आजीविकोत्सव सरस मेला को लेकर बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने सरस मेला को लेकर की जाने वाली विभिन्न तैयारियों की बिन्दुआर समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया कि 25 से 31 जनवरी तक सरस मेले का आयोजन होगा। ऐसे में मेला से जुड़े तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही जिले के विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं के सुझावों से अवगत हुए। आगे बैठक के दौरान विभिन्न कोषांगों का गठन किया गया, जिसके माध्यम से मेला के सफल संचालन के लिए जिला स्तरीय कोर कमेटी, वित्त प्रबंधन, आवासन, परिवहन, स्वच्छता एवं पेयजल, प्रचार-प्रसार, स्वास्थ्य, उद्घाटन एवं समापन, स्टॉल प्रबंधन, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रबंधन, भंडारण, कंट्रोल रूम तथा विद्युत

व्यवस्था के लिए कोषांग का गठन किया गया है।

बैठक में उपायुक्त श्रीलकड़ा ने बताया कि पलाश आजीविकोत्सव सरस मेला के तहत लगभग 100 से अधिक स्टॉल लगाये जायेंगे, जिसमें स्वयं सहायता समूह की दीदियों, स्थानीय कामगारों एवं हूनरमंद समूहों द्वारा बनाये गये अपने सामानों को बेचने का एक बड़ा बाजार उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही मेले माध्यम से एक की छत के नीचे विभिन्न राज्यों, जिला एवं देवघर के स्थानीय स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्टॉल लगाया जायेगा। आगे उपायुक्त ने कहा कि सरस मेले का मुख्य उदेश्य आजीविका समूह के प्रोडक्ट को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना है, ताकि उनके आर्ट एण्ड क्राफ्ट से लोगों को रूबरू कराया जा सके। इसके अलावे मेले में हर दिन विभिन्न तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा, जिसमें स्थानीय कलाकारों के साथ स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थी भी शामिल होंगे, ताकि मेले का भव्य आयोजन किया जा सके। साथ ही उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निदेशित करते हुए कहा कि सरस मेले को हर दृष्टि से आकर्षक बनाया जाय, ताकि पहली बार देवघर में आयोजित होने वाले इस मेले को बेहतर बानाया जा सके।

बैठक मेंउप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, नजारत उपसमाहर्ता शैलेष प्रियदर्शी, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, उत्पाद अधीक्षक, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, ट्रैफिक डीएसपी, अग्निशमन पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस, जेएसएलपीएस के राज्यस्तरीय टीम, डीपीएम, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, रेडक्रॉस सोसाइटी के मेंबर, संथाल परगना चैंबर, देवघर चैंबर के सदस्य एवं विभिन्न सिविल सोसायटी के सदस्य, संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

## नगर परिषद् ने चलाया ट्रायल पेज

**दुमका :** ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत नगर परिषद् दुमका के द्वारा डोर-टु-डोर कूड़ा संग्रहण का कार्य ट्रायल फेज चलाया जा रहा है। इस संबंध में कुल 50 भवन को चिन्हित कर उसपर आरएफआईडी का अधिष्ठापन किया जाएगा। ट्रायल सफलतापूर्वक हो जाने के उपरांत इसे विस्तारित करते हुए पूरे नगर परिषद् क्षेत्र में अधिष्ठापित किया जाएगा। डोर-टु-डोर कूड़ा संग्रहण में सोर्स पर ही पृथ्थकीकरण कर गीला कूड़ा एवं सूखा कूड़ा अलग अलग संग्रहित करते हुए वैज्ञानिक विधि से निस्तारण भी किया जाएगा। नगर परिषद, दुमका के नागरिकों से अनुरोध है कि आरएफआईडी अधिष्ठापन में सहयोग करेंगे।

## कांग्रेस और उसके सहयोगी दल भारत को विकसित बनते नहीं देखना चाहता : अनंत

### प्रभु श्रीराम के नाम से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को हो रही परेशानी

### श्री राम जी योजना में 125 दिनों की गारंटी ग्रामीण क्षेत्र होगा विकसित हर किसी को मिलेगा कार्य

संवाददाता

**साहिबगंज :** कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दल भारत को विकसित भारत बनते हुए नहीं देखना चाहती उक्त बाते राजमहल के पूर्व विधायक सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य अनंत ओझा ने कही। स्वामी विवेकानंद चौक स्थित अपने कार्यालय में गुरुवार को प्रेस वार्ता करके अनंत ने कहा कि देश की संसद ने विकसित भारत राष्ट्रीय आजीविका मिशन को स्फूर्ति देने का कार्य किया। मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का

संकल्प लिया है, देश के हर क्षेत्र में विकास हो रहा है, इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देने के लिए गति शक्ति नाम देकर विकास का कार्य किया जा रहा है। जीराम जी योजना के साथ ग्रामीण रोजगार का नया स्वरूप हो ग्रामीण भारत विकसित हो, आजीविका दीदी के साथ गांव विकसित भारत के साथ संकलित हो। आधुनिक तकनीक को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। पहले मनरेगा के तहत 100 दिन का कार्य मिलता था। जीराम जी योजना से अब 125 दिन रोजगार की गारंटी है। जीराम जी में ग्राम सभा में 50 फीसद स्वीकृति देना होगा। मनरेगा में राज्यों के द्वारा 2006 में सुधार किया, जिससे भ्रष्टाचार हावी हुआ। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में जी राम जी प्रभावी है। जी राम जी योजना में राज्यों की भागीदारी तय की गई है। इस योजना से स्थाई एसेट तय होगा। पूरे देश में ये योजना का लाभ मिलेगा। कांग्रेस और उसके इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल के लोग देशवासियों को गुमराह कर रही हैं, झूठ फैला रही है। केंद्र का योजना भारत के सभी राज्यों में चलता है। कांग्रेस शासित राज्यों में केंद्र का योजना चालू नहीं किया जाता। योजना चलाता भी है तो उपयोगिता प्रमाण पत्र केंद्र को नहीं भेजता है। मनरेगा में भ्रष्टाचार भरा हुआ था, जिसे खत्म किया। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में काम के बदले अनाज का शुरूवात किया, वही कांग्रेस ने गांधी जी का नाम देकर मनरेगा का नाम दिया। कांग्रेस और उसके सहयोगी पार्टियों को प्रभु श्री राम के नाम से क्यों चीड़ है। जीराम जी रोजगार की गारंटी सुनिश्चित करने वाला, 125 दिन काम देने वाला, विकसित भारत के संकल्प को तैयार करने वाला, राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत भी जॉब लेने का योजना है। कांग्रेस को क्यों राम नाम से चीड़ है, ये कांग्रेस और उसके सहयोगी देश की जनता को बताए। वही जनता के बीच जीराम जी योजना का प्रचार प्रसार भाजपा जनजागरण करके कार्य करेगी, कांग्रेस का दोहरा चरित्र और राम नाम से चीड़ क्यों लोगो को बताई जाएगी। तीन दिन भाजपा जागरूकता अभियान चलाएगी। मौके पर जिला अध्यक्ष गौतम यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश तिवारी व धमेंद्र कुमार, रामानंद साह, प्रमोद कुमार पांडेय, मनोज यादव, राजेश मंडल, गौतम पंडित, नगर अध्यक्ष विनोद चौधरी सहित अन्य थे।

## न्यूज IN ब्रीफ

### रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट में पतंग प्रतियोगिता का आयोजन

**साहिबगंज :** मकर संक्रांति के अवसर पर न्यू झारखंड युवा क्लब के तत्वावधान में,रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट में पतंग प्रतियोगिता का आयोजन क्लब के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में किया गया।इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि साहिबगंज ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र की प्रभारी बिंदु दीदी थी।कार्यक्रम का शुभारंभ एलसीसी कंप्यूटर सेंटर के प्राचार्य उत्तम कुमार,सुशीला देवी,रंजीत केसरी एवं नीतू द्वारा संयुक्त रूप से पतंग उड़ाकर किया गया।प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में बच्चों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।एलसीसी कंप्यूटर के प्राचार्य उत्तम कुमार ने कहा कि मकर संक्रांति के इस पावन पर्व पर आयोजित यह कार्यक्रम आपसी भाईचारे,सांस्कृतिक परंपरा एवं युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने वाला रहा।पतंग प्रतियोगिता में प्रथम रेहाना अंसारी,द्वितीय सैफ अंसारी,तृतीय अमन राज,चतुर्थ हिमांशु यादव,पंचम कृष्णा कुमार ने बाजी मारा है।

### पीएचडी नामांकन के लिए दस्तावेज सत्यापन व साक्षात्कार प्रक्रिया आज से शुरू

**दुमका :** सदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में पीएचडी नामांकन के लिए चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन (डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन) एवं साक्षात्कार (इंटरव्यू) की प्रक्रिया आज शुक्रवार से प्रारंभ हो गई है। यह प्रक्रिया 16 जनवरी से 20 जनवरी तक विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम के तहत आज शुक्रवार को गणित, इतिहास, संस्कृत एवं अंग्रेजी विषय के अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन एवं साक्षात्कार लिया जा रहा है। वहीं शनिवार को हिंदी, इतिहास, अंग्रेजी एवं अर्थशास्त्र (इकोनॉमिक्स) विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन-2 में संपन्न होगी, जबकि साक्षात्कार संबंधित विभागों द्वारा अपने-अपने विभागीय परिसरों में आयोजित किए जाएंगे।

परीक्षा के ओएसडी डॉ. इंद्रनील मंडल ने बताया कि पीएचडी नामांकन प्रक्रिया को लेकर विभागीय स्तर पर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन पूरी तरह सजग है।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी नामांकन हेतु योग्य पाए गए अभ्यर्थियों की सूची पहले ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। इस वर्ष कुल 421 अभ्यर्थियों को पीएचडी नामांकन के लिए योग्य घोषित किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी योग्य अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि को अपने-अपने विषय के अनुसार समय पर उपस्थित हों। साथ ही, सभी आवश्यक मूल प्रमाण-पत्रों के साथ उनकी स्वप्रमाणित छायाप्रतियां अनिवार्य रूप से साथ लाएं। आवश्यक दस्तावेजों में शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अंकपत्र, जाति प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो), आरक्षण संबंधी प्रमाण-पत्र एवं अन्य निर्धारित कागजात शामिल हैं।

### जिला शिक्षा स्थापना समिति की आयोजित बैठक संपन्न

**देवघर :** जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला शिक्षा स्थापना समिति की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन समाहरणालय में किया गया। इस दौरान बैठक में उपायुक्त ने शिक्षकों के प्रोन्नति, बर्खास्तगी, पदस्थापन, न्यायालय से जुड़े विभिन्न विषयों पर बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने 51 शिक्षकों के अंतर जिला शिक्षकों के पदस्थापन को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।

### पूर्व महापौर ने कांदू मोहल्ले में हुई घटना की तीखी निंदा की

**मेदिनीनगर :** मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के कांदू मुहल्ला गैस गोदाम रोड में गुरुवार के सुबह में गोली चलने से पूर्व मुखिया नवीन प्रसाद एवं चाय दुकानदार अजीत कुमार गुप्ता जख्मी हो गया है। दोनों लोगों को स्थानीय लोगों के सहयोग से मेदिनीनगर एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया है।नवीन प्रसाद की हालत गंभीर देखते हुए उसे रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है जबकि अजीत गुप्ता के इलाज जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार नवीन प्रसाद को मेदिनीनगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज जारी है। डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि आपसी रंजिशमें गोली चलने से दो लोग जख्मी हुए हैं घटनास्थल दो खोखा बरामद किया गया है प्रारंभिक जांच में गोलू पासवान द्वारा गोली चलाई जाने के मामला सामने आ रहा है आगे के जांच जारी है। जांचोपरांत ही कुछ स्पष्ट कहा जा सकता है।अजीत गुप्ता द्वारा मेदिनीनगर एमआरएमसीएच स्थित टीओपी पुलिस के समक्ष दिए गए फर्द ब्यान के अनुसार नवीन प्रसाद पूर्व वार्ड पार्षद के पति है गुरुवार को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना था जिसे लेकर वह करीब 9:30 बजे चाय दुकान पर पहुंच कर लोगों को कंबल वितरण में आने के लिए सूचना दे रहा था उसी क्रम में गोलू पासवान नामक अपराधी नवीन प्रसाद पर फायरिंग किया इसके बाद नवीन गोलू से हाथाबांही करने लगा इसी क्रम में वह दूसरा गोली चलाया जो मेरे जांघ में लगी इसके बाद वह फायरिंग करते हुए भाग गया।स्थानीय लोगों ने बताया कि लगातार तीन से चार गोली चलने की आवाज सुनाई दी गोली चालन घटना के बाद अपरा तफरी मच गया बाद में मामले की जानकारी टीओपी टू प्रभारी को दी गई सूचना पाते ही टीओपी टू प्रभारी राकेश कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं।

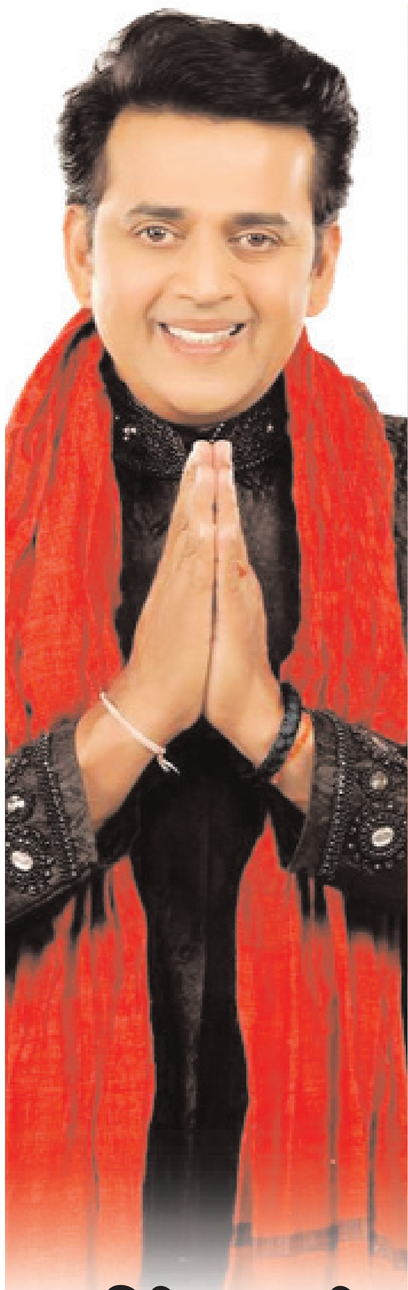

# कार्तिक आर्यन की नागजिला में विलेन बने रवि किशन

बालीवुड के चर्चित अभिनेता आर्यन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म नागजिला को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में कार्तिक पहली बार एक इच्छाधारी नाग के अनोखे किरदार में नजर आएंगे। अब फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। फिल्म में कार्तिक आर्यन के सामने भोजपुरी और बॉलीवुड के लोकप्रिय अभिनेता रवि किशन विलेन की भूमिका निभाते दिखाई देंगे। यह पहली बार होगा जब रवि किशन और कार्तिक आर्यन बड़े परदे पर आमने-सामने नजर आएंगे। रवि किशन हाल ही में फिल्म लापता लेडीज में अपने शानदार अभिनय के लिए काफी सराहे गए हैं। इसके अलावा वह सन ऑफ सरदार 2 और वेब सीरीज मामला लीगल है में भी नजर आ चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... फिल्म के मेकर्स को लगा कि इस दमदार विलेन के किरदार के लिए रवि किशन बिल्कुल सही हैं। खुद रवि भी इस फिल्म का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हैं। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन बिमल सुकुमारन कर रहे हैं, जो कन्नड़ और मलयालम सिनेमा में जाना-पहचाना नाम हैं। बता दें कि यह एक फैंटेसी-एक्शन-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें भरपूर वीएफएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। फिल्म में कार्तिक आर्यन प्रियंवदेश्वर प्यारे चंद नाम के इच्छाधारी नाग की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग अभी जारी है और जल्द ही इसके पूरा होने की उम्मीद है। फिल्म का निर्देशन फुकरे फेंचाइज के निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा कर रहे हैं।

# किसी को बुरा दिखाकर अच्छा नहीं बन सकते, पेड नेगेटिव पीआर पर भड़कीं सोनल चौहान

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग अब एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कई एक्टर्स इस तरह की जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से परेशान हैं। इसी बीच अभिनेत्री सोनल चौहान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा कि किसी को नीचा दिखाकर कोई खुद ऊपर नहीं उठ सकता। सोनल का मानना है कि बॉलीवुड में कॉम्पिटिशन तो होनी चाहिए, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक हो। ट्रोलिंग और पेड नेगेटिविटी से न सिर्फ एक्टर्स की मानसिक शांति प्रभावित होती है, बल्कि उनके काम और मेहनत पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के जरिए अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, एक्टर्स के खिलाफ चल रही ये पेड पीआर अब बंद होनी चाहिए। इतनी नेगेटिविटी की कोई जरुरत नहीं है। किसी को बुरा दिखाकर कोई अच्छा नहीं बन सकता। हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते? सब बहुत मेहनत करते हैं, अगर हम सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री का माहौल बहुत बेहतर हो सकता है। हमें बस थोड़ा सकारात्मक रहना है।

सोनल से पहले कई एक्टर्स पेड नेगेटिव पीआर के खिलाफ आवाज उठाते दिखे। तारा सुतारिया ने हाल ही में बताया कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव पीआर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहें और ट्रोलिंग से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे चाहती हैं कि लोग उनके काम पर फोकस करें, न कि बनाई हुई कहानियों पर। यामी गौतम ने भी पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की वसूली है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को खा जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से इस कल्चर को खत्म करने की अपील की। ऋतिक रोशन ने पेड पीआर पर गहरा बयान दिया। उन्होंने बताया कि सबसे कीमती चीज जो खो जाती है, वह है पत्रकारों की सच्ची आवाज। पैसे के दबाव में उनकी कलम बंध जाती है, सच बोलने की आजादी छिन जाती है। सच्ची राय ही असली फीडबैक है, जो हमें बेहतर बनाती है। लेकिन, पेड पीआर के चक्कर में वह चीज खत्म हो जाती है।

# शिल्पा शिंदे और शुभांगी अत्रे की तुलना पर बोलीं रश्मि देसाई

टीवी की दुनिया में अंगूरी भाभी का किरदार हमेशा से ही दर्शकों के दिलों के करीब रहा है। इस किरदार को सबसे पहले लोकप्रिय बनाने वाली शिल्पा शिंदे ने अब दस साल बाद भाभीजी घर पर हैं 2.0 में वापसी की। उनकी वापसी और उनके हालिया बयान ने दर्शकों और मीडिया में काफी चर्चा पैदा कर दी। शिल्पा ने कहा कि अंगूरी भाभी हमेशा से वह ही रही हैं और वह अपनी किसी से भी तुलना नहीं करती। इस बयान पर कई लोगों की राय अलग-अलग रही, और इसी बीच अभिनेत्री रश्मि देसाई ने अपने विचार साझा किए। बता दें कि इससे पहले अंगूरी भाभी का किरदार शुभांगी अत्रे ने निभाया था। आईएएनएस से बात करते हुए रश्मि देसाई ने कहा, शिल्पा शिंदे और शुभांगी अत्रे दोनों ही शानदार कलाकार हैं और दोनों ने अपने-अपने समय में अंगूरी भाभी के किरदार को निभाने में अपनी पूरी मेहनत और क्षमता लगाई है। इस तरह की तुलना करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, शिल्पा शिंदे एक वरिष्ठ अभिनेत्री हैं, और उनकी तुलना करना सम्मान की कमी की तरह है। अभिनय में किसी का स्थान केवल मेहनत और प्रदर्शन से तय होता है, और इस तरह के बयान को गलत नजर से देखने की जरूरत नहीं है। रश्मि ने कहा, शिल्पा शिंदे बेबाक व्यक्तित्व वाली अभिनेत्री हैं। उन्होंने जो बयान दिया, वह उनके व्यक्तिगत दृष्टिकोण और उनके करियर के अनुभव का हिस्सा है। उन्होंने कभी भी शो छोड़ने का मन नहीं बनाया, और अब जब वह वापस आई हैं, यह उनके लिए घर लौटने जैसा अनुभव है। दर्शकों को इस वापसी का स्वागत करना चाहिए और इस किरदार की यात्रा का सम्मान करना चाहिए। रश्मि ने आगे कहा, शुभांगी अत्रे ने भी इस किरदार के लिए बहुत मेहनत की है। उन्होंने अंगूरी भाभी के रूप में अपने समय में दर्शकों को खूब एंटरटेन किया और इस किरदार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। दोनों कलाकारों की मेहनत की कदर करनी चाहिए और तुलना करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, शो में शिल्पा की वापसी एक नया अध्याय है, लेकिन इससे यह नहीं भूलना चाहिए कि शुभांगी ने भी इस किरदार को जीवंत बनाने में अपना योगदान दिया।

# चिरंजीवी की अगली फिल्म से बाहर हुए मोहनलाल

ते लुगु फिल्म इंडस्ट्री में चल रही आर्थिक तंगी अब किसी से छिपी नहीं है। बड़े बजट की फिल्मों पर भी इसका असर साफ नजर आने लगा है। इसी कड़ी में चिरंजीवी की एक अंडर-प्रोडक्शन फिल्म, जिसे निर्देशक बॉबी बना रहे हैं, एक गंभीर आर्थिक अड़चन में फंस गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...इस फिल्म में एक बेहद अहम कैमियो रखा गया था, जिसे किसी बड़े स्टार को निभाना था। यह कैमियो कुछ वैसा ही माना जा रहा था, जैसा अमिताभ बच्चन ने रजनीकांत की फिल्म अंधा कानून में किया था। इसके लिए निर्देशक बॉबी ने मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल से संपर्क किया। चिरंजीवी और मोहनलाल के बीच अच्छे रिश्तों को देखते हुए मेकर्स को उम्मीद थी कि वह यह कैमियो बिना फीस के करेंगे। लेकिन मामला तब उलट गया, जब मोहनलाल ने इस कैमियो के लिए कथित तौर पर 30 करोड़ रुपए की फीस मांगी। यह रकम सुनकर निर्माता हैरान रह गए और तुरंत बैकफुट पर आ गए। इसके बाद मेकर्स ने किसी ऐसे तेलुगु अभिनेता की तलाश शुरू कर दी, जो यह कैमियो बिना फीस के करने को तैयार हो। एक सूत्र के अनुसार... मौजूदा हालात में तेलुगु निर्माता किसी भी बड़े अभिनेता को, वह भी सिर्फ कैमियो के लिए, इतनी बड़ी रकम देने की स्थिति में नहीं हैं। यह घटना साफ तौर पर दिखाती है कि तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री इस समय गंभीर आर्थिक दबाव से गुजर रही है।

# 'राहु केतु' के लिए कड़ी ट्रेनिंग पर बोले पुलकित सम्राट

फिल्म 'राहु केतु' को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। इसी बीच अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपने किरदार केतु की तैयारी से जुड़े कुछ खास बिहाइंड-द-सीन्स यानी बीटीएस वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए हैं, जिन्होंने फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है। सामने आए बीटीएस क्लिप्स में पुलकित सम्राट को बो स्टाफ के साथ ज़बरदस्त कॉम्बैट मूव्स रिहर्स करते और एक्शन कोरियोग्राफी को परफेक्ट करते देखा जा सकता है। हालांकि पुलकित ने इसे पिक्चर परफेक्ट बनाने के लिए सुबह की ट्रेनिंग से लेकर होटल के कमरों में देर रात तक काफी प्रैक्टिस की है। इंस्टाग्राम पर इन वीडियोज़ को शेयर करते हुए पुलकित सम्राट ने लिखा है, जब पहली बार मुझे पता चला कि केतु बो स्टाफ के साथ फाइट करेगा, तब मुझे अंदाज़ा नहीं था कि मैं इससे इतना गहराई से जुड़ जाऊंगा। जो चीज़ एक एक्शन ज़रूरत के तौर पर शुरू हुई थी, वो धीरे-धीरे एक जुनून बन गई। अपने एक्शन मूव्स को परफेक्ट बनाने के लिए मैंने न सिर्फ कई रेफरेंस वीडियोज़ देखे, बल्कि जहां कहीं समय मिलता बो स्टाफ के साथ प्रैक्टिस करने में जुट जाता। हालांकि शूटिंग शुरू होने से पहले मैंने इसके साथ इतनी प्रैक्टिस कर ली थी कि शूटिंग शुरू होते-होते मेरे लिए यह सिर्फ एक प्रॉप नहीं रहा, बल्कि केतु का ही एक भाग बन गया था। यकीन मानिए स्क्रीन पर दिखने वाले कुछ सेकंड्स के पीछे हफ्तों की मेहनत, चोटें और ढेर सारा पैशन छुपा होता है। आई थिंक यही एक्टर होने का जादू है क्योंकि हर किरदार आपको कुछ नया सिखाता है।

गौरतलब है कि 'राहु केतु' प्राचीन पौराणिक कथाओं को एक नए और फ्रेश सिनेमाई अंदाज़ में प्रस्तुत करती है, साथ ही उनकी आध्यात्मिक भावना को भी बनाए रखती है। दमदार अभिनय, बारीकी से कोरियोग्राफ किए गए एक्शन सीक्वेंस और भव्य मायथोलॉजिकल विज़ुअल्स के साथ यह फिल्म परंपरा और आधुनिक कहानी कहने की शैली के बीच एक प्रभावशाली सेतु बनाती है। फिलहाल पुलकित सम्राट के इन बीटीएस वीडियोज़ को सोशल मीडिया पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। फैंस उनकी मेहनत, समर्पण और किरदार के प्रति ईमानदारी की जमकर सराहना कर रहे हैं।

# पीडब्ल्यूएल 2026 का भव्य आगाज चैंपियनशिप ट्रॉफी का हुआ अनावरण

एजेंसी

**नोएडा :** प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 का आधिकारिक उद्घाटन बुधवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में चैंपियनशिप ट्रॉफी के अनावरण के साथ किया गया। सात वर्षों के लंबे अंतराल के बाद लीग की वापसी और इसके पांचवें सत्र की शुरूआत को लेकर यह समारोह खास रहा। उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स के बीच पहले मुकाबले से ठीक पहले किया गया, जिसने नए पीडब्ल्यूएल युग की औपचारिक शुरूआत का संकेत दिया। इस अवसर पर चैंपियनशिप ट्रॉफी का अनावरण कुश्ती महासंघ भारत (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और मुख्य अतिथि बृज भूषण शरण सिंह की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह, पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन और प्रमोटर दयान फरूकी तथा लीग के सीईओ अखिल गुप्ता भी मौजूद रहे। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने पीडब्ल्यूएल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस लीग ने हमेशा भारतीय कुश्ती को मजबूत मंच प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूएल 2026 के लिए चुनी गई प्रतिभाएं इस बात का प्रमाण हैं कि देश में कुश्ती का स्तर बीते वर्षों में काफी ऊपर गया है। मुख्य अतिथि बृज भूषण शरण सिंह ने कहा कि पीडब्ल्यूएल जैसी पेशेवर लीग का सबसे बड़ा लाभ पहलवानों को मिलता है। उन्होंने बताया कि कुश्ती ऐसा खेल है जिसमें भारत ने ओलंपिक में लगातार पदक जीते हैं और इस परंपरा को बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा बेहद जरूरी है। उनके अनुसार, पीडब्ल्यूएल भारतीय पहलवानों को दुनिया के शीर्ष पहलवानों के साथ मुकाबला करने का अवसर देती है। पीडब्ल्यूएल चेयरमैन दयान फरूकी ने इसे लीग के लिए नए अध्याय की शुरूआत बताते हुए कहा कि व्यापक पुनर्गठन के बाद इस बार फोकस एक पेशेवर, पारदर्शी और एथलीट-केंद्रित ढांचा तैयार करने पर रहा है। वहीं, सीईओ अखिल गुप्ता ने कहा कि पीडब्ल्यूएल 2026 सभी हितधारकों के सहयोग और दीर्घकालिक सोच का परिणाम है, जिसमें नीलामी से लेकर प्रतियोगिता प्रारूप तक हर पहलू को मजबूती से डिजाइन किया गया है। ट्रॉफी अनावरण के बाद उद्घाटन मुकाबले में पंजाब रॉयल्स के चंदरमोहन और यूपी डॉमिनेटर्स की ओर से आर्मेनिया के आर्मन आंद्रेस्यान आमने-सामने उतरे। इसके साथ ही छह फ्रेंचाइज़ियों, ओलंपिक पदक विजेताओं, विश्व चैंपियनों और भारत के शीर्ष पहलवानों की मौजूदगी में एक रोमांचक सत्र की औपचारिक शुरूआत हुई। नए प्रारूप के तहत प्रत्येक टाई में नौ मुकाबले खेले जाएंगे। पीडब्ल्यूएल 2026 का सीधा प्रसारण सोनी टेन 4 और सोनी टेन 5 चैनलों पर किया जा रहा है, जबकि डिजिटल दर्शक सोनी लिव पर मुकाबलों का लाइव स्ट्रीम देख सकते हैं।

# अंडर-19 विश्व कप 2026: भारत का विजयी आगाज, अमेरिका को डकवर्थ लुइस नियम से 6 विकेट से हराया

एजेंसी

**बुलावायो (जिम्बाब्वे) :** आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 का उद्घाटन मुकाबला गुरुवार को भारत और अमेरिका (यूएसए) के बीच खेला गया, जिसमें भारतीय टीम ने डीएलएस पद्धति (डकवर्थ लुइस) के तहत यूएसए को छह विकेट से मात देकर टूनामेंट की शानदार शुरूआत की। यह मुकाबला बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर आयोजित हुआ। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसे भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन से सही साबित किया। यूएसए की टीम 35.2 ओवर में 107 रन पर सिमट गई। अमेरिकी टीम की ओर से नितीश सुदिनी ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। इसके अलावा अदनीत झाम्ब (18), साहिल गर्ग और अर्जुन महेश (16-16) ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। कप्तान उत्कर्ष श्रीवास्तव और ऋषभ शिम्पी खाता नहीं खोल पाए।

भारत की गेंदबाजी में हेनिल पटेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी। दीपेश देवेंद्रन, आरएस अंबरीश, खिलान पटेल और वैभव सूर्यवंशी को एक-एक सफलता मिली। 108 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय पारी के दौरान बारिश ने खलल डाला। चार ओवर में भारत ने 21 रन पर एक विकेट गंवाया था, तभी मैच रोकना पड़ा। बारिश के बाद मुकाबले को 37 ओवर का कर दिया गया। पुनः खेल शुरू होने पर भारत ने कुछ जल्दी विकेट गंवाए। वैभव सूर्यवंशी (2), वेदांत त्रिवेदी (2), कप्तान आयुष म्हात्रे (19) और विहान मल्होत्रा (18) पवेलियन लौट गए, जिससे स्कोर दबाव में आ गया। इसके बाद अभिज्ञान कुंडू और कनिष्क चौहान ने जिम्मेदारी संभाली और संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया। अभिज्ञान कुंडू अर्धशतक से चूक गए, लेकिन उन्होंने 41 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 42 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई। कनिष्क चौहान ने 10 रन का योगदान दिया। भारत ने 17.2 ओवर में चार विकेट खोकर संशोधित लक्ष्य हासिल कर लिया और मुकाबला डीएलएस नियम के तहत छह विकेट से अपने नाम किया।

गौरतलब है कि अंडर-19 विश्व कप 2026, 50 ओवर प्रारूप में खेला जा रहा इस प्रतिष्ठित टूनामेंट का 16वां संस्करण है, जिसमें कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारतीय टीम अब अपना अगला मुकाबला 17 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी।

# मप्रः मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगे 1836 करोड़ रुपये

- माखन नगर में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन में होगा लाड़ली बहना योजना की 32वीं किशत का अंतरण

**एजेंसी**

**भोपाल :** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार को नर्मदापुरम जिले के माखन नगर (बाबई) में आयोजित लाड़ली बहनों के राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत प्रदेश की बहनों के खातों में राशि का अंतरण करेंगे। प्रदेश की लगभग 1 करोड़ 25 लाख 31 हजार से अधिक पात्र बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी।

जनसम्पर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 29 लाख बहनों को गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 90 करोड़ से अधिक राशि का भी अंतरण करेंगे। इस मौके पर जिले के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरूआत जून 2023 से की गई थी। योजना के अंतर्गत माह नवंबर 2025 से राशि में 250 रुपये की वृद्धि की गई है। अब पात्र हितग्राही महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना में जून 2023 से दिसंबर 2025 तक मासिक आर्थिक सहायता की 31 किश्तों का नियमित रूप से अंतरण किया जा चुका है। जनवरी 2026 में योजना की 32वीं किश्त का लाड़ली बहनों के खातों में अंतरण किया जायेगा। योजना अंतर्गत अब तक जून 2023 से दिसंबर 2025 की अवधि में कुल 48 हजार 632 करोड़ 70 लाख रुपये की राशि हितग्राही महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी है। जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 के दौरान 38 हजार 635 करोड़ 89 लाख रुपये का अंतरण किया गया है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से प्रदेश की महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान सुनिश्चित किया गया है। आगामी समय में योजना की हितग्राही महिलाओं को विभिन्न रोजगार, स्वरोजगार एवं कौशल उन्नयन कार्यक्रमों से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे, जिससे वे आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बन सकें।

## बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी ने घटक दलों के साथ 253 सीटों पर बंटवारे की घोषणा की

**एजेंसी**

**ढाका :** बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 12 फरवरी को होने वाले 13वें संसदीय चुनाव के लिए 253 सीटों के लिए सीट बंटवारे की घोषणा की है। जमात 179 सीट, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) 30, मामूनुल हक के नेतृत्व वाली बांग्लादेश खिलाफत मजलिस 20, खिलाफत मजलिस 10, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी सात, एबी पार्टी तीन, निजामे इस्लामी पार्टी दो और बांग्लादेश डेवलपमेंट पार्टी दो सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यह जानकारी जमात के नायब-ए-अमीर सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने गुरुवार देरशाम संवाददाता सम्मेलन में दी। द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, ताहिर ने काकरेल इलाके के इंस्टीट्यूशन ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स में यह

घोषणा की। इस दौरान गठबंधन के मुख्य घटकों में से एक इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश (आईएबी) ने संवाददाता सम्मेलन का बहिष्कार किया। ताहिर ने कहा कि यह अभी तय नहीं हुआ है कि गठबंधन के दो अन्य घटक बांग्लादेश खिलाफत आंदोलन और जातीय गणतंत्रिक पार्टी (जागपा) को कितनी सीटें दी जाएंगी। बहिष्कार करने वाले इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश के लिए 47 सीट आरक्षित की गई हैं। इस बीच जमात-ए-इस्लामी ने आरोप लगाया कि कई इलाकों में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के बावजूद चुनाव आयोग निष्क्रिय बना हुआ है। जमात के सहायक महासचिव हामिदुर रहमान आजाद ने अगरगांव में मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन से मिलने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक पार्टी खुलेआम आचार संहिता का उल्लंघन कर रही है। आयोग उस परआंख बंद किए है। जो संहिता का उल्लंघन नहीं कर रहे, उन्हें परेशान किया जा रहा है।

## बलोचिस्तान में कन्या हाई स्कूल की प्रिंसिपल समेत तीन लोगों की हत्या, दो घायल

**एजेंसी**

**क्वेटा (बलोचिस्तान) :** बलोचिस्तान के विभिन्न जिलों में हुई गोलीबारी की घटनाओं में एक महिला शिक्षक सहित तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। इन घटनाओं दो अन्य घायल हो गए। महिला शिक्षक इलाहाबाद के साबी इलाके में स्थित कन्या हाई स्कूल में प्रधानाचार्य थीं। उन्हें अज्ञात बंदूकधारियों ने स्कूल के पास गोली मारी। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, साबी पुलिस ने बताया कि महिला अपने घर से स्कूल जा रही थीं। स्कूल के मुख्य द्वार के सामने घात लगाकर बैठे अज्ञात हथियारबंद लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं। परिणामस्वरूप उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी ओर, डेरा मुराद जमाली स्थित वेस्ट हाई स्कूल के पास अज्ञात हथियारबंद लोगों ने

पुलिस हवलदार अली गोहर मगसी की गोली मारकर हत्या कर दी। दूसरी ओर, सिंध के सजावल निवासी खामुन खसखली के पुत्र 30 वर्षीय नजर अली की बलोचिस्तान के औद्योगिक क्षेत्र में लूटपाट के प्रयास के दौरान हत्या कर दी गई।

इसके अलावा, पंजगुर के हाजी गाजी सुरदो इलाके में हुई गोलीबारी में हसन हयात घायल हो गया। उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच, केच जिले के बलादाह इलाके में अज्ञात सशस्त्र मोटरसाइकिल सवारों की गोलीबारी में बलूचाबाद निवासी माजिद आदम घायल हो गया।

## मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड जारी, न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री तक गिरा, उत्तरी हिस्सों में छायी कोहरे की चादर

- प्रदेश में 20 जनवरी के बाद बदल सकता है मौसम

**एजेंसी**

**भोपाल :** उत्तर भारत से आ रही बफीर्ली हवाओं के कारण मध्य प्रदेश में ठंड ने अपना तीखा असर दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान गिरकर 4.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। गुरुवार रात चार शहरों में तापमान 5 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया, जबकि शाजापुर में शीतलहर की स्थिति बनी रही। आज शुक्रवार सुबह प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में कोहरे की चादर छाई रही।

मौसम विभाग के अनुसार, ठंडी हवाओं की वजह से ठिठुरन बढ़ गई है। ग्वालियर-चंबल, रीवा, शहडोल और सागर संभाग सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहां कई जिलों में

मध्यम से घना कोहरा देखने को मिल रहा है। भोपाल और इंदौर में भी रात का तापमान लगातार नीचे गिर रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिम-उत्तर भारत के ऊपर लगभग 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 232 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही हैं। यह ऊपरी वायुमंडल में बहने वाली तेज हवाओं की धारा है, जिसका असर मध्यप्रदेश के मौसम पर भी पड़ रहा है। इसके साथ ही 16 जनवरी से सक्रिय रहा पश्चिमी विक्षोभ आगे बढ़ चुका है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 19 जनवरी से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। यदि यह सिस्टम मजबूत रहा तो 20 जनवरी के बाद प्रदेश में बादल छाने और बारिश होने की संभावना है।

### कई इलाकों में पारा लुढ़का

गुरुवार की रात शहडोल का कल्याणपुर प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री दर्ज किया गया। शाजापुर, कटनी के करौंदी और मंदसौर में तापमान 4.7 से 4.8 डिग्री के बीच रहा। राजगढ़ में 5.5 डिग्री, रीवा में 6.2 डिग्री, दतिया में 6.6 डिग्री और पचमढ़ी में 6.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। उमरिया, नौगांव, मंडला, खजुराहो, सतना, दमोह, सीधी, रायसेन, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, मलाजखंड और रतलाम में भी न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। प्रदेश के पांच बड़े शहरों में इंदौर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर में भी पारा फिर 10 डिग्री से नीचे आ गया। भोपाल में 8 डिग्री, ग्वालियर में 7.4 डिग्री, उज्जैन में 9 डिग्री और जबलपुर में 9.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

## सिंगापुर में बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम, प्रीतम सिंह नेता प्रतिपक्ष पद से हटाए गए

**एजेंसी**

**सिंगापुर :** सिंगापुर की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने वर्कर्स पार्टी के नेता प्रीतम सिंह को नेता प्रतिपक्ष (लीडर ऑफ द ऑपोजिशन) के पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने वर्कर्स पार्टी से नए सांसद के नामांकन की मांग की है, जो इस मामले से जुड़ा न हो। यह फैसला संसद द्वारा 14 जनवरी 2026 को लिए गए उस निर्णय के बाद आया, जिसमें प्रीतम सिंह को नेता प्रतिपक्ष पद के लिए अनुपयुक्त घोषित किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, प्रीतम सिंह को संसद की एक समिति के समक्ष झूठी गवाही देने के मामले में दोषी ठहराया गया था, जिसे उनके खिलाफ गंभीर आचरण उल्लंघन माना गया। प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने 15 जनवरी को जारी अपने आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने इस पूरे मामले पर गहन विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रीतम सिंह की आपराधिक दोषसिद्धि और संसद द्वारा उनकी अनुपयुक्तता के फैसले को देखते हुए उनका नेता प्रतिपक्ष बने रहना अब संभव नहीं है। वोंग ने कहा कि यह कदम कानून के शासन, संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की अखंडता को बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री वोंग की पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) को संसद में स्पष्ट बहुमत प्राप्त है। इसके बावजूद 2025 के आम चुनावों के बाद प्रीतम सिंह को दूसरे कार्यकाल के लिए नेता प्रतिपक्ष के रूप में बनाए रखा गया था।

### क्या है पूरा मामला

यह घटनाक्रम संसद में लीडर ऑफ द हाउस इंद्रानी राजा द्वारा 14 जनवरी को पेश किए गए प्रस्ताव के पारित होने के बाद सामने आया। प्रस्ताव में कहा गया था कि प्रीतम सिंह का आचरण और 2021 में पूर्व वर्कर्स पार्टी सांसद रायसा खान द्वारा संसद में दिए गए झूठे बयान से जुड़े मामले में अदालत की दोषसिद्धि यह दशार्ती है कि वे नेता प्रतिपक्ष से अपेक्षित उच्च नैतिक और संवैधानिक मानकों पर खरे नहीं उतरते।

## केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा से मिले मुख्यमंत्री डॉ यादव, मध्य प्रदेश आने का दिया आमंत्रण

- 23 जनवरी को मप्र आएंगे नड्डा, 24 को कटनी में मेडिकल कॉलेज का करेंगे भूमि पूजन

**एजेंसी**

**भोपाल :** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार देर शाम नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा से उनके कार्यालय में मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री नड्डा को पुष्प-गुच्छ और शॉल ओढ़ाकर, भगवान वेंकटेश्वर तिरुपति महाराज की प्रतिकृति भेंट की। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के कारीगरों द्वारा उन्नत हस्तशिल्प से प्रतिकृति को तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा को मध्य प्रदेश आने का आमंत्रण दिया है। इसके साथ ही उनसे अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केंद्रीय मंत्री नड्डा 23 जनवरी को मध्य प्रदेश आएंगे और 24 जनवरी

को कटनी में मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के पास रसायन और उर्वरक मंत्रालय भी है। उन्होंने मध्य प्रदेश के किसानों की समृद्धि के लिए प्रदेश में यूरिया सहित सभी प्रकार की खादों की उपलब्धता बनाए रखने में सहयोग दिया है। इसके लिए उनको धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष उन्होंने निरंतर सहयोग किया जिसके फलस्वरुप किसानों को खाद पहुंचाने का प्रयास किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से लगातार नए-नए मेडिकल कॉलेज खोलते हुए तेजी से आगे बढ़ रही है। इस कार्य में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने में मध्यप्रदेश देश में नम्बर वन राज्य है। शासकीय अस्पतालों को जोड़कर प्राईवेट कॉलेज को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा हे। ऐसे में हमारे दो मेडिकल कॉलेज के भूमिपूजन के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा से भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया गया। इन मेडिकल कॉलेज के भूमिपूजन से राज्य में 41 जिलों में मेडिकल कॉलेजों की सुविधा मिलेगी।

## मप्र के इंदौर में दूषित पानी से एक और महिला की मौत, मृतकों की संख्या बढ़कर 24 हुई

**एजेंसी**

**इंदौर :** मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां गुरुवार को दूषित पानी से एक और महिला की मौत हो गई। इसके बाद भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से मरने वालों की संख्यां बढ़कर 24 हो गई है। जानकारी के अनुसार, भागीरथपुरा में रहने वाली सुभद्राबाई (78) पत्नी बसंतराव पंवार की 26 दिसंबर को दूषित पानी पीने के बाद हालत बिगड़ी थी। उन्हें काफी उल्टी-दस्त हुए थे। गत 28 दिसंबर को उन्हें चरक हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। सुभद्राबाई के बेटे मनीष ने बताया कि दूषित पानी से हालत बिगड़ने के बाद मां को अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां से 31 दिसंबर को उन्हें डिस्चार्ज कर एक हफ्ते की मेडिसिन दी गई थी,

लेकिन पांचवें दिन उनकी हालत फिर खराब हो गई। उन्हें गत 8 जनवरी को चरक हॉस्पिटल और फिर शैल्बी हॉस्पिटल में ले गए तो से उन्हें दूसरे हॉस्पिटल रेफर करने की सलाह दी। इस पर इसी दिन उन्हें मेट्रो हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था, जहां गुरुवार को उनकी मौत हो गई। परिजन का कहना है कि उन्हें ब्लड प्रेशर, डायबिटीज सहित कोई बीमारी नहीं थी। इंदौर में गुरुवार को हुई मौत के बाद मृतकों का आंकड़ा 24 पहुंच गया है। मृतकों में उर्मिला यादव (60), नंदलाल पाल (75), उमा कोरी (31), मंजूला (74), ताराबाई कोरी (70), गोमती रावत (50), सीमा प्रजापत (50) जीवन लाल बरेडे (80), अव्यान साहू (5 माह), शंकर भाया (70), संतोष बिगोलिया, अरविंद लखर, गीताबाई, अशोक लाल पंवार, ओमप्रकाश शर्मा, हरकुंवर बाई, रामकली, सुमित्रा बाई, श्रवण खुपराव, हीरालाल, सुनीता वर्मा, कमला बाई, भगवानदास और शुभद्राबाई (78) शामिल हैं।

### भागीरथपुरा क्षेत्र में आज भी डायरिया के मिले 06 नए मरीज

इधर, इंदौर के भागीरथपुरा जल जनित घटना से प्रभावित क्षेत्र में अब भी डायरिया के नए मरीज सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्षेत्र में चलाए जा रहे स्वास्थ्यवर्धन' अभियान के दौरान 48 दलों ने 715 घरों का सर्वे कर 2087 नागरिकों की विभिन्न जॉंचें की, इसमें रक्तचाप के 133 तथा मधुमेह के 64 मरीजों का चिन्हांकन किया गया। जिन्हें हेल्थकार्ड देकर आगे की जाँच के लिए रेफर किया गया। इसके अलावा डायरिया (उल्टी-दस्त) के छह नए मरीज मिले, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि 30 दिसम्बर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए, जिसमें विभिन्न परामर्श, उपचार, औषधि एवं जॉच संबंधित सेवाएं प्रदान की गई। इस दौरान 14 जनवरी 2026 तक 34631 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें 162558 स्क्रीनिंग की गई, जबकि आज 15 जनवरी 2026 तक कुल 441 विभिन्न चिकित्सालयों में भर्ती हुए, जिसमें से 424 स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं, 11 वार्ड में उपचाररत हैं तथा 06 आईसीयू में भर्ती है। उन्होंने बताया कि भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र में स्थिति तेजी से सामान्य होती जा रही है। आज ओपीडी के 116 मरीजों में से मात्र 06 मरीज डायरिया के आए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया, किसी भी मरीज को रेफर नहीं किया गया। सर्वे, शिविर तथा ओपीडी में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं, नर्सिंग ऑफिसर तथा चिकित्सकों द्वारा लगातार परामर्श दिया जा रहा है।

# देश में पहली बार सबसे बड़े महाभारत समागम का आयोजन भोपाल में, मुख्यमंत्री आज करेंगे शुभारंभ

- सभ्यताओं के संघर्ष एवं औदार्य की महागाथा पर केंद्रित नौ दिवसीय ₹महाभारत समागम₹ आज से

**एजेंसी**

**भोपाल :** वैश्विक सभ्यताओं के संघर्ष और औदार्य की महागाथा महाभारत पर केन्द्रित देश का पहला और अब तक का सबसे बड़ा सांस्?कृतिक आयोजन भोपाल में होने जा रहा है। मध्?य प्रदेश शासन, संस्?कृति विभाग अंतर्गत वीर भारत न्?यास द्वारा यहां भारत भवन में 16 से 24 जनवरी तक आयोजित इस समागम का शुभारंभ आज सायं 07:30 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जाएगा। वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि इस नौ दिवसीय समागम में महाभारत के विभिन्न आयामों को लेकर नाटक, नृत्य-नाट्य, कठपुतली कार्यशाला, लोक एवं शास्त्रीय

प्रस्?तुतियां, अंतरराष्?ट्रीय फिल्म फेस्टिवल, इमर्सिव डोम थियेटर के माध्यम से युद्ध के खिलाफ शांति का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर प्रदर्शनी- नेपथ्य, अस्त्र-शस्त्र, चक्रव्यूह एवं पताकाएं, महाभारत आधारित चित्र प्रदर्शनी, भारतीय कठपुतली, श्रीकृष्ण पाथेय न्यास की पत्रिका एवं वेबसाइट तथा प्रकाशनों- सभ्यताओं की सॉस (वैश्विक कविताओं का संकलन), भूली बिसरी सभ्यताएं पुस्तकों का लोकार्पण भी होगा। उन्होंने बताया कि आज रूस, चीन, अमेरिका, यूक्रेन, ईरान, इराक, वेनेजुएला, क्यूबा, बांग्लोदश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान सहित पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा और टूटती सभ्यताओं की पीड़ा से गुजर रही है, ऐसे समय में महाभारत हमें आत्ममंथन और शांति का मार्ग दिखाता है। सभ्यताओं के संघर्ष और औदार्य की इस महागाथा में युद्ध की अनिवार्यता के साथ-साथ उसके दुष्परिणामों का भी गहन बोध है। तिवारी ने कहा कि वास्तव में श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध को रोकने के लिए अपने जीवन के सर्वाधिक गंभीर और करुण प्रयास किए। उन्होंने बल नहीं, बल्कि संवाद को प्राथमिकता दी; अस्त्र नहीं, बल्कि विवेक को आगे रखा। शांति-दूत बनकर वे हस्तिनापुर गए और कौरवों से केवल पांच गांव मांगकर यह सिद्ध किया कि धर्म का मार्ग त्याग और सहमति से होकर जाता है। श्रीकृष्ण का संदेश आज के समय में और भी प्रासंगिक है। वे सिखाते हैं कि युद्ध कभी पहली पसंद नहीं होनी चाहिए, और जब संघर्ष अनिवार्य हो जाए, तब भी उसका उद्देश्य विनाश नहीं, बल्कि न्याय और लोककल्याण होना चाहिए। महाभारत में श्रीकृष्ण का प्रयास मानवता के लिए शांति, संवाद और विवेक की अमर सीख है। उन्होंने बताया कि महाभारत युद्ध में 185 से अधिक जनजातियाँ शामिल थीं। तिवारी ने बताया कि इसी भावभूमि पर केन्द्रित देश का पहला और अब तक का सबसे बड़ा सांस्कृतिक आयोजन भोपाल के भारत भवन में आयोजित किया जा रहा है। समागम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जायेगा। अन्य कार्यक्रमों में मंत्रीगण मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन महाभारत को केवल युद्ध कथा के रूप में नहीं, बल्कि शांति, करुणा और सभ्यतागत विवेक के महाकाव्य के रूप में प्रस्तुत करेगा।

### इन देशों के रंग समूह देंगे प्रस्तुति

न्यासी सचिव ने कहा कि वैश्विक सभ्यताओं का इतिहास संघर्ष और औदार्य की साझा गाथा है। संघर्ष ने उन्हें दृढ़ता, साहस और पहचान दी, जबकि औदार्य ने सहअस्तित्व, करुणा और संवाद सिखाया। टकराव के बीच भी संस्कृतियाँ एक-दूसरे से सीखती रहीं और मानवता को आगे बढ़ाया। इसी उद्देश्य से भारत के साथ इंडोनेशिया, श्रीलंका, जापान के प्रतिष्ठित नाट्य समूह अपनी-अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। श्रीराम तिवारी ने कहा कि वीर भारत न्यास के उद्देश्यों के अनुरूप आने वाले वर्षों में इस समागम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विस्तार किया जाएगा।

### श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान

वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार रायसेन की दीक्षा सिंह एवं भोपाल की हिमांशी मिश्रा (राशि एक लाख का पुरस्कार), द्वितीय पुरस्कार ग्वालियर के भुवनेश कैन (राशि 51 हजार का पुरस्कार) तथा तृतीय पुरस्कार के तीन विजेताओं- ग्वालियर की मान्या भटनागर, छिंदवाड़ा के गोविंद सिंह एवं हरदा के कार्तिक (राशि 21 हजार रुपये का पुरस्कार) से सम्मानित किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

## किसान बचाओ हस्ताक्षर अभियान कैंप का आयोजन

**मुरी :** झारखंड राज्य किसान सभा ने सतिहाट टूसू मेला में किसान बचाओ हस्ताक्षर अभियान कैंप लगाया, हजारों किसानों ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया। दिनांक 15जनवरी 2026 को झारखंड राज्य किसान सभा के तत्वावधान में सतिहाट टूसू मेंला में किसान बचाओ हस्ताक्षर अभियान कैंप लगाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, हजारों किसानों ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया।

## किसान नेता विजय महतो का निधन

**मुरी :** किसान नेता विजय महतो के निधन पर किसान सभा एवं माकपा ने दिया श्रद्धांजलि दी। वहीं सरायकेला खरसावां जिला किसान सभा के पूर्व अध्यक्ष सह माकपा जिला कमिटी सदस्य एवं लम्बे समय तक लोकप्रिय मुखिया रहे विजय महतो 76 वर्ष का जमशेदपुर अस्पताल में निधन हो जाने से शोक की लहर सरायकेला खरसावां सहित झारखंड में फैल गया।

## आयुष सीएचओ और योग प्रशिक्षकों को दी जाएगी दो दिनों की ट्रेनिंग

**मेदिनीनगर :** जिला आयुष कार्यालय में आयुष सीएचओ और योग प्रशिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार से शुरू होकर शनिवार तक चलेगा। इस कार्यक्रम में 35 आयुष डॉक्टर और 30 योग इंस्ट्रक्टर शामिल होंगे। जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राम नारायण कारक ने बताया कि आयुष निदेशक के निर्देश के आलोक में 16 और 17 जनवरी को प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले दिन के प्रशिक्षण में परिचय सत्र, प्री टेस्ट, बच्चो के लिए योगा, युवाओं के लिए योगा, अस्थमा रोगियों के लिए योगा और हाइपरटेंशन के लिए योगा शामिल है। सभी योगा के लिए समय सीमा भी निर्धारित किया गया है। शनिवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम में मधुमेह रोगियों के लिए योगा, मानसिक रोगियों के लिए योगा, गर्भवती महिलाओं के लिए योगा, बुजुर्गो के लिए योगा के साथ सामान्य योग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। आयुष डीपीएम डॉ मृत्युंजय कुमार मेहता ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सभी आयुष सीएचओ और योग इंस्ट्रक्टर पूरे जिले में लोगों को योग के तरीके का प्रशिक्षण देंगे।

## विश्रामपुर में कबाड़ी दुकानदार फंदे से लटका मिला शव

**विश्रामपुर :** पलामू जिले के विश्रामपुर नगर पंचायत मुख्यालय सिटी के कब्रिस्तान के पास किराये के मकान में रहने वाले पश्चिम बंगाल निवासी और कबाड़ी दुकानदार 36 वर्षीय मोट्ट. अलाउद्दीन शेख उर्फ अलाय का शव गुरुवार को फंदे से लटका मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच कर रही है। विश्रामपुर कब्रिस्तान के पास आहर स्थित विकास चंद्रवंशी के मकान में युवक रहता था। विश्रामपुर के थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गयी है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

पोस्मार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद स्थित टाटलापारा थाना के सुजापुर गांव निवासी मोट्ट लेकबास शेख के 36 वर्षीय पुत्र मोट्ट अलाउद्दीन शेख उर्फ अलाय विश्रामपुर में किराये के मकान में रहकर कबाड़ा खरीदने का काम करता था। गुरुवार की सुबह में पड़ोसियों ने दरवाजा खुला देख कर अंदर गए तो युवक का शव फंदे से लटका देखा। उसके बाद मकान मालिक को फोन कर इसकी सूचना दी। घटना की सूचना मिलने पर मकान मालिक विकास चंद्रवंशी ने विश्रामपुर के थाना को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर शव को फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम आदि की कार्रवाई की।

## बाबा घाट मैदान में अंडर-16 क्रिकेट ट्रायल मैच का आयोजन

**चतरा :** जिला मुख्यालय स्थित बाबा घाट मैदान में बुधवार एवं गुरुवार को अंडर-16 आयु वर्ग का दो ट्रायल क्रिकेट मैच आयोजन किया गया। इस ट्रायल मैच में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कुल 34 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ट्रायल मैच का उद्देश्य जिले से उभरती हुई क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बेहतर प्रशिक्षण और अवसर प्रदान करना था। खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में उत्साह के साथ भाग लेते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। इनमें से 15 सदस्यीय टीम बनाया जाएगा जो चतरा जिला की टीम के रूप में गुमला में 2 मैच एवं लोहरदगा में 2 मैच खेलेगी। इनमें से जो भी खिलाडी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे उन्हें राज्य स्तर पर चुना जाएगा पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जिला स्तर पर इस तरह के ट्रायल से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को मंच मिल रहा है। उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।मैच के दौरान खेल भावना और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय खेल प्रेमियों और आयोजकों का सराहनीय योगदान रहा।मौके पर चतरा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय सिंह, कोषाध्यक्ष सरोज सिन्हा, मिथिलेश उर्फ बड़े छोटू यादव,चंदन यादव,पवन यादव सहित कई खेल प्रेमी उपस्थित थे।

## टिनप्लेट स्टेडियम में शुरू होगा जमशेदपुर सुपर लीग का मैचडे

जमशेदपुर : जमशेदपुर सुपर लीग (जेएसएल) का मैचडे 21 जनवरी को टिनप्लेट स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान अंडर-13 और अंडर-15 वर्ग में पूरे दिन रोमांचक यूथ फुटबॉल मुकाबले खेले जाएंगे। कुल 26 मैचों का कार्यक्रम तय है, जिसमें अंडर-13 के 10 और अंडर-15 के 16 मैच शामिल हैं। शहर की विभिन्न अकादमियों, स्कूलों और कम्युनिटी टीमों के युवा खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे। ग्रासरूट स्तर पर प्रतिभा निखारने वाली यह लीग जमशेदपुर के फुटबॉल विकास में अहम भूमिका निभा रही है।

# जमशेदपुर में धरा गया आर्म्स के साथ यूपी का अपराधी सोशल मीडिया पर व्यवसायियों को देता था धमकी

**संवाददाता**

**जमशेदपुर:** पुलिस ने बिरसानगर क्षेत्र से उत्तर प्रदेश के एक अपराधी को आर्म्स के साथ गिरफ्तार किया है। मामले में सिटी एसपी ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिये व्यवसायियों को धमकी देता था। इसके अलावा अपराधी पुलिस पर भी निशाना साधता था। अजय सिंह उर्फ अजय वाल्मीकि उर्फ मोटा नाम का अपराधी, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। यह वहां कई आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुका है और कई मामले में जेल भी जा चुका है।

उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बिरसानगर में आर्म्स के साथ एक अपराधी घूम रहा है। सूचना के आधार पर कार्रवाई कर अजय सिंह नाम के अपराधी को

गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, मोबाइल और एक डायरी बरामद की गई है।

सिटी एसपी ने आगे बताया कि गिरफ्तार अपराधी, सोशल मीडिया के जरिये व्यवसायियों को धमकी देता था। इसके साथ ही यह भी कहता था कि पुलिस क्या करेगी, उस पर भी गोली चलाएंगे, अब यहां मेरा राज चलेगा। जिसके बाद अपराधी अजय सिंह को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

लापता व्यवसायी पुत्र का नहीं मिला कोई सुराग

जमशेदपुर के रहे व्यवसाई के पुत्र कैरव गांधी के अपहरण के दो दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। मामले में सिटी एसपी ने साफ तौर पर कहा है कि मामला सेंसेटिव है। उन्होंने कुछ भी कहने से इंकार किया। इधर उद्यमी के बेटे के अपहरण के बाद पूरा जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर कार्रवाई करने में लगी हुई है। दो जिलों की पुलिस के इस मामले को सुलझाने में लगी हुई है। इधर उद्यमी के बेटे के अपहरण पर सिंहभूम चेम्बर ऑफ कॉमर्स और अन्य व्यावसायिक संगठन ने अपना विरोध जताया और प्रशासन से सही सलामत कैरव गांधी की वापसी की मांग की है। आपको बता दे कि उद्यमी देवांग गांधी सरायकेला जिला के आदित्यपुर के उपाध्यक्ष हैं।

## विकास उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए थे, विकास कार्यों में आयी थी तेजी

**संवाददाता**

चक्रधरपुर नगर निकाय चुनाव प्रारंभ से ही काफी दिलचस्प रहा है बिहार राज्य से अलग होकर जब झारखंड राज्य बना तब प्रथम बार संपन्न हुए नगर निकाय चुनाव में चक्रधरपुर नगर परिषद में उपाध्यक्ष पद का चुनाव भी काफी रोमांचक और दिलचस्प रहा था इसकी प्रमुख बजह यह रही थी कि उपाध्यक्ष पद सामान्य रहने के कारण कई प्रत्याशी अपने भाग्य आजमाने के लिए उपाध्यक्ष पद हेतु काफी दिलचस्पी दिखाई जिसमें उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल करने में प्रख्यात संवेदक के रूप में पहचाने जाने वाले विकास कुमार साव उर्फ टिंकू साव ने अपने प्रतिद्वंदियों को पर पछाड़ते हुए उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल कर इतिहास रचा था इस प्रकार से चक्रधरपुर नगर निकाय चुनाव में विकास कुमार साव उर्फ टिंकू साव उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए थे और विकास कार्यों में अपने नाम के अनुरूप विकास करने में भी सफल रहे थे उनके बेहतर कर के फल स्वरुप आज भी उनकी नगर परिषद में विकास कार्यों के लिए नाम लिया जाता है।

## युवाओं की जागरूकता और पुलिस का प्रयास दोनों ने मिल कर बच्चों को उनके घर पहुंचाया : रूना शुक्ला

**निधि पाठक**

रांची : राजधानी में जिस तरह से बीते 2 जनवरी से मौसीबाड़ी के पीछे के खटाल मोहल्ला से दो बच्चे गायब हुए और जिस तरह पुलिस के साथ शहरवासियों ने इसमें योगदान दिया है वो काफी कबीले तारीफ है । दोनों मासूम अंश और अंशिका 2 जनवरी से लापता हुए थे। उन्हें खोजने के लिए रांची पुलिस ही नहीं बल्कि झारखंड सहित तमाम राज्यों की पुलिस जुटी हुई रही। लेकिन इसका पटाक्षेप हुआ रामगढ़ जिले के रजरप्पा के अहमद नगर में। स्थानीय युवकों की होशियारी और सजगता ने पुलिस को राहत की सांस दिलाई । लापता दोनों बच्चों की बरामदगी में रामगढ़ के दो युवकों का अहम योगदान रहा। उनकी होशियारी से पुलिस बच्चों को बरामद कर पाई । ये घटना ये भी बताती है कि अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो आम लोगों की सतर्कता और पुलिस की दबिश से अपराधों को रोका जा सकता है और अपराधियों को पकड़ कर उनको जेल भेजा जा सकता है । साथ ही साथ आम नागरिकों को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है अपराधी हमारे आस पास ही कभी बलून कभी फेरी वाले बन के घूमते है इनको पहचान कर पुलिस को बताने की जरुरत है ।

## सागीपी में आयोजित तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

**चक्रधरपुर :** चक्रधरपुर प्रखंड के कुलीतोड़ाग पंचायत अंतर्गत सागीपी में मकर संक्रांति अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी डॉ विजय सिंह गागराई उपस्थित थे। खेलकूद प्रतियोगिता में जवानों का दौड़ में प्रथम स्थान मंगल जोंकों गांव मुरहातु और दूसरा स्थान में बगुन जमुदा गांव सिरकापी, महिलाओं का हांडी फोड़ में प्रथम स्थान में ननिका दोंगो गांव तुईया, महिलाओं का बैलून फोड़ में प्रथम सोमबारी तांती दूसरा स्थान में पेलोंग दोंगो,बड़ी लड़कियों का दौड़ प्रथम सुनीता दोंगो सगीपी दूसरा स्थान में गंगी मरला गांव सगीपी, बच्चों का दौड़ रोशन गागराई गांव सिरकापी दूसरा स्थान में कानु लागुरी हीजिया, छोटे बच्चियों का दौड़ प्रथम सुकुरमुनी दोंगो और दूसरा स्थान में पुष्पा सोलंकी गांव सगीपी ने स्थान प्राप्त किया।

## कृष्णदेव साह उपाध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल होने के लिए वार्ड पार्षद का चुनाव लड़ेंगे

**संवाददाता**

नगर निकाय 2026 का चुनाव चक्रधरपुर नगर परिषद के लिए काफी दिलचस्प और रोमांचक होने जा रहा है इसकी प्रमुख वजह यह है कि इस बार अध्यक्ष पद जहां आरक्षित है वहीं उपाध्यक्ष पद अनारक्षित रहने के कारण वार्ड पार्षद बनने के पश्चात ही इस पद के लिए नामित होने की स्थिति में वार्ड परिषद चुनाव लड़ने वालों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है क्योंकि कुछ वार्ड पार्षद जहां वार्ड पार्षद के चुनाव लड़ने तक ही सीमित है वही उनके द्वारा वार्ड पार्षद के चुनाव लड़कर वार्ड परिषद बने कि वह बात कर रहे हैं किंतु जिनकी आकांक्षा उपाध्यक्ष बनने की है वह भी वार्ड पार्षद के चुनाव जीतकर ही इस पद तक पहुंच सकते हैं इसके लिए उन्हें सर्वप्रथम वार्ड पार्षद बनना आवश्यक है इसी क्रम में चक्रधरपुर नगर परिषद के लोकप्रिय और कर्मठ अध्यक्ष के रूप में पहचाने जाने वाले कृष्णदेव साह उर्फ फेकू साव भाई जी के नाम से सुविख्यात नगर परिषद अध्यक्ष रहे हैं श्री साह वर्तमान समय में उपाध्यक्ष पद क्वालीफाई करने के लिए दो वार्डो से चुनाव लड़ने का मन बनाया है जिसमें मुख्य रूप से वार्ड संख्या नौव और वार्ड संख्या सत्रह से चुनाव लड़ने का मन बनाया है इसकी प्रमुख बजह यह है कि श्री साह की पकड़ पूरे शहर में काफी सशक्त और बेहतर है सभी वर्गों में वे काफी लोकप्रिय भी है अध्यक्ष पद पर रहते हैं उनके द्वारा किए गए कार्य उनके विकास कार्यों का बेहतर मापदंड और उपलब्धि में शामिल है इसी के फल

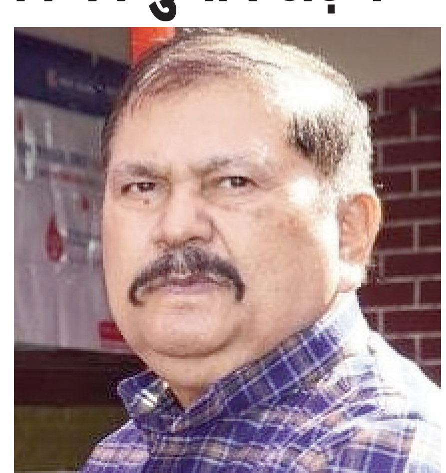

स्वरुप उन्होंने दो वार्डो से चुनाव लड़ने का मन बनाया है चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष पद पर रह चुके श्री साह चक्रधरपुर शहरी क्षेत्र में पहले ऐसे व्यक्ति हैं जो दो-दो वार्ड से चुनाव लड़ने की व्यापक रूप से तैयारी कर रखी है और इसका मजबूत आधार यह है कि उन्होंने अध्यक्ष पद पर रहते हुए पूरे शहर में काफी विकास कार्य करने के साथ-साथ सबों के साथ काफी बेहतर और मधुर संबंध भी स्थापित कर रखा है और वह अभी से हैं अपने समर्थकों के साथ जनसंपर्क और अपनी स्थिति मजबूत करने में जुट गए हैं

## जामताड़ा में शुरू हुआ ऐतिहासिक करमदाहा मेला

**जामताड़ा :** जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बराकर नदी के करमदाहा घाट पर दुखिया बाबा मंदिर परिसर में ऐतिहासिक मेला शुरू हो गया है। 15 दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक मेले में दूरदराज से श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस दौरान पहुंचने वाले लोग दुखिया बाबा मंदिर में पूजा अर्चना करते हैं और मेले का आनंद लेते हैं।

15 दिवसीय मेले का उद्घाटन

मकर संक्रांति के मौके पर ऐतिहासिक करमदाहा मेले का विधिवत शुभारंभ 15 जनवरी को हुआ। मुख्य अतिथि एवं पूर्व सांसद फुरकान अंसारी और जिला परिषद उपाध्यक्ष ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपिका बेसरा के अलावा कई सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

15 दिनों तक चलने वाले ऐतिहासिक मेले में धनबाद, गिरिडीह और देवघर जिले के अलावा पश्चिम बंगाल, बिहार से श्रद्धालु मेले में पहुंचते हैं। श्रद्धालु बराकर नदी में स्नान कर पहले दुखिया बाबा मंदिर में पूजा अर्चना करते हैं और मेले में खरीदारी के साथ मनोरंजन करते हैं। इस दौरान मेले में तरह-तरह के मनोरंजन के अलावा अन्य सामान, लोहे के बर्तन का कारोबार भी होता है।

दरअसल मेले में काफी दूर दराज से व्यापारी कारोबार करने पहुंचते हैं। इस दौरान मेले में लाखों का कारोबार होता है। बड़े व्यापारी भी यहां पर अपना सामान बेचने का काम करते हैं।

करमदाहा मेला, दुखिया बाबा के नाम से प्रसिद्ध है। बराकर नदी, करमदाहा घाट के किनारे एक मंदिर है, जो दुखिया बाबा के नाम से प्रसिद्ध है। अपने भक्तों के दुखों को हरण करने वाले दुखिया बाबा के बारे में काफी इतिहास रहा है। मान्यताओं के अनुसार, 'इस इलाके में काफी अकाल पड़ा था, फसल नहीं हो पाई थी, जिससे इंसान के खाने को लाले पड़ गए थे।

## कांची, राढु और स्वर्ण रेखा नदी के संगम पर विशाल सतीधाट मेला

**मुरी :** पंचपरगनिया गीत स्वरण रेखा नदी धाट सती धाट मेला, बहुत बहुत धन्यवाद के गीत से गुरूवार को तीन नदियों के संगम पर विशाल सतीधाट मेला का आयोजन हर साल की भांति इस साल भी धुम धाम से लगा। मेले की खाशियत है कि धरेलू उपकरण से लेकर ढोल नगाड़े, घर का दरवाजा, चौखट चौकी, अस्त्र शस्त्र के समान बिकने को आए हैं। नदी के दोनों तरफ भीड़ ही भीड़ है। हर प्रकार के खिलौना बिकने को आए हैं। आसपास के ग्रमीण क्षेत्र से हजारो लोगो ने नदी में स्नान कर पूजा पाठ किए। मन्नत मागे। झारखंड बंगाल की सीमा लगने के कारण दोनों क्षेत्र से लोग मेला देखने आते हैं मुखिया सुभद्रा देवी मेला की शुभकामनाएँ दी। दुसरी तरफ मेला में

झारखंड राज्य किसान सभा के तत्वावधान में टूसू मेंला में किसान बचाओ हस्ताक्षर अभियान कैंप लगाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, हजारों किसानों ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया। सफल बनाने में मेला कमेटी के ग्राम प्रधान अनिल सिंह मुंडा, मौजादार माधव सिंह अध्यक्ष चौधरी महतो, उपाध्यक्ष शिशु पाल महतो, सचिव हरेकृष्ण महतो, कोषाध्यक्ष अंजनी देवी एंव समस्त कमिटी के सदस्य की सराहनीय भुमिका रही।

## पश्चिमी सिंहभूम के मझगांव प्रखंड क्षेत्र में फिर दिखा कातिल हाथी, ग्रामीणों में दहशत

**संवाददाता**

**चाईबासा :** झारखंड और ओडिशा की सीमा पर आतंक का पर्याय बन चुका दंतैल हाथी एक बार फिर पश्चिमी सिंहभूम के मझगांव प्रखंड में देखा गया है। मझगांव के हल्दिया स्थित बंदासाई और तिलोकुटी क्षेत्र में हाथी की मौजूदगी ने ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ा दी है। पिछले 15 दिनों में 20 लोगों को मौत के घाट उतारने वाले इस हाथी को खदेड़ने के लिए वन विभाग की टीम युद्ध स्तर पर जुटी हुई है।

मझगांव क्षेत्र में हाथी के अचानक पहुंचने से अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने जैसे ही हाथी को देखा तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे वन कर्मियों ने

मशाल जलाकर और पटाखों के जरिए हाथी को आबादी वाले क्षेत्र से दूर जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास शुरू कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि यह दंतैल हाथी आखिरी बार खड़पोस पंचायत के बेनीसागर में देखा गया था। जिसके बाद वह आउट ऑफ ट्रैक हो गया था। कुछ समय के लिए इसके ओडिशा सीमा में प्रवेश की खबरें आई थीं, लेकिन लोकेशन स्पष्ट नहीं हो पा रहा था। अब दोबारा मझगांव इलाके में हाथी की सक्रियता ने वन विभाग की चिंता बढ़ गई है। फिलहाल यह हाथी झारखंड-ओडिशा बॉर्डर पर डेरा जमाए हुए है।

हाथी के बढ़ते खतरे को देखते हुए वर्तमान में झारखंड और ओडिशा वन विभाग की टीमें मिलकर साझा अभियान चला रही हैं। ओडिशा, झारखंड के साथ-साथ असम और गुजरात से आए वन्यजीव विशेषज्ञों की टीमें हाथी को ट्रैंकुलाइज (बेहोश) करने की योजना पर काम कर रही हैं। हाथी का सटीक लोकेशन जानने के लिए ड्रोन और आधुनिक ट्रैकिंग सिस्टम का सहारा लिया जा रहा है। वहीं वन विभाग ने हाथी के हमले में जान गंवाने वाले परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध करा दी गई है, जबकि शेष औपचारिकताओं को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया गया है।